RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 329 ता. 11 जून 2021, शुक्रवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नए आईटी नियमों को लेकर केंद्र सरकार की सख्ती का असर

सरकार की सख्ती के आगे झुका ट्विटर

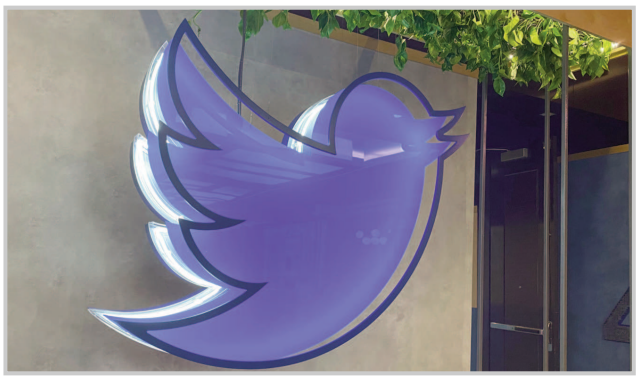

नई दिल्ली ।

नए आईटी नियमों को लेकर केंद्र सरकार की सख्ती का असर अब दिख रहा है। केंद्र सरकार के सख्त रुख के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर नए आईटी नियमों को मानने को तैयार हो गया है। ट्विटर ने सरकार से पत्र लिखकर कहा है कि नए आईटी नियमों के अनुसार मुख्य अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बता दें कि बीते दिनों ही केंद्र सरकार ने ट्विटर को आखिरी चेतावनी दी थी और नियम न मानने पर परिणाम भुगतने को कहा था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ट्विटर ने सरकार को खत लिखकर कहा है कि नए नियमों से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी एक हफ्ते में सरकार को सौंप दी जाएगी। 5 जून को सरकार के अंतिम नोटिस के जवाब में ट्विटर ने कहा कि वह नए दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए उचित प्रयास कर रहा है। लेकिन कोरोना महामारी के वैश्विक प्रभाव के कारण ऐसा करने में असमर्थ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ट्विटर की ओर से यह पत्र 7 जून को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय को भेजा गया था। वहीं ट्विटर के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी भारत के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने भारत सरकार को आश्वासन दिया है कि ट्विटर नए दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। हम सरकार के साथ अपनी रचनात्मक बातचीत जारी रखेंगे। पिछले दिनों केंद्र सरकार के नोटिस में कहा था कि यह आखिरी चेतावनी है। अब भी नियमों का पालन नहीं हुआ तो आइटी कानून और अन्य दंडात्मक कानूनों के तहत ट्विटर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ट्विटर का इंटरमीडियरी का दर्जा खत्म किया जा सकता है, जिससे ट्विटर को मिली हुई कई छूट समाप्त हो जाएगी। इससे ट्विटर के लिए भारत में संचालन मुश्किल हो सकता है। मंत्रालय ने कहा था कि ये नियम हालांकि 26 मई, 2021 से प्रभावी हैं, लेकिन सद्भावना के तहत ट्विटर इंक को एक आखिरी नोटिस के जरिये नियमों के अनुपालन का अवसर दिया जाता है। उसे तत्काल नियमों का अनुपालन करना है। यदि वह इसमें विफल रहती है, तो उसे दायित्व से जो छूट मिली है, वह वापस ले ली जाएगी। साथ ही उसे आईटी कानून और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा।

दिसंबर तक होंगे कोरोना के 200 करोड़ टीके, बढ़ाया जा रहा उत्पादनः जेपी नड्डा

नई दिल्ली।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हर महीने देश में एक करोड़ टीकों का उत्पादन हो रहा है। जुलाई-अगस्त में यह बढ़कर छह से सात करोड़ हो जाएगा। सितंबर तक हमें उत्पादन 10 करोड़ टीके प्रतिमाह हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पहले देश में टीकों के केवल दो उत्पादक थे, जो अब 13 हो गए हैं और दिसंबर तक 19 हो जाएंगे। दिसंबर तक देश में 200 करोड़ टीके उपलब्ध होंगे। यह हमारा रोडमैप है। टीकाकरण अभियान को लेकर नड्डा ने कहा कि भारत में अप्रैल महीने में ही टीकों की प्रक्रिया आरंभ हुई और जनवरी तक महज नौ महीने में देश में दो-दो टीके उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि ऐसा तब हुआ जब विपक्षी दलों ने इस अभियान को लेकर लगातार सवाल खड़े किए और उसे पटरी से उतारने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि विकसित देशों के मुकाबले भारत में सबसे तीव्र गति से टीकाकरण अभियान चल रहा है। नड्डा ने दावा किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान जब देश में ऑक्सीजन की कमी के मामले सामने आने लगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सप्ताह के भीतर यह समस्या दूर की और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई। कोविड-19 को शताब्दी की सबसे बड़ी और अकल्पनीय महामारी करार देते हुए नड्डा ने इससे हुई लोगों की मौत पर अफसोस जताया और स्वीकार किया कि ऑक्सीजन की कमी हुई थी लेकिन इस कमी को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई। उन्होंने कहा, 'एक सप्ताह के अंदर ऑक्सीजन के लिए पूरी योजनाएं बनाकर और उन्हें अमली जामा पहनाया गया और लोगों तक ऑक्सीजन पहुंचाई गई।'

मुंबई में दर्दनाक हादसा इमारत ढहने से अब तक 11 लोगों की मौत

मुंबई ।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मॉनसून की पहली बारिश की वजह से बुधवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया और इमारत ढहने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सूचना दी कि बुधवार देर रात मुंबई के मलाड पश्चिम के न्यू कलेक्टर परिसर में एक आवासीय इमारत गिरने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। बीएमसी के अनुसार, इस क्षतिग्रस्त बिल्डिंग ने पास की एक और आवासीय घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। नगर निगम ने कहा कि इसने क्षेत्र में एक और आवासीय संरचना को भी प्रभावित किया जो अब खतरनाक स्थिति में है। प्रभावित इमारतों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को बीडीबीए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मुंबई में जोन 11 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विशाल ठाकुर ने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित 15 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका है। लोगों को बचाने के लिए टीमें यहां मौजूद हैं। वहीं, घटना स्थल पर पहुंचे महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने कहा कि बारिश के कारण इमारतें गिर गई हैं। बचाव अभियान जारी है। घायल लोगों को अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। इमारतों के मलबे को हटाया जा रहा है ताकि यह देखा जा सके कि और लोग इसके नीचे फंसे हैं या नहीं। लोगों द्वारा हमें इमारत छोड़ने के लिए कहने के बाद मैं बाहर आया। जैसे ही मैं बाहर निकल रहा था, मैंने देखा कि हमारी इमारत के पास एक डेयरी सहित तीन इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया था।

मॉनसून की पहली बारिश में ही मुंबई बेहाल

जलजमाव से जीवन अस्त-व्यस्त

मुंबई ।

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में बुधवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दस्तक दी और पहले ही दिन भारी बारिश से देश की वित्तीय राजधानी तथा उसके उपनगरों में कई स्थानों पर पानी भर गया जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़क यााातायात के साथ ही लोकल ट्रेन सेवाएं भी बाधित हुईं। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और पड़ोसी ठाणे, पालघर तथा रायगढ़ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक खराब मौसम रहने की भविष्यवाणी की है। साथ ही राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) की 15 टीमों को महाराष्ट्र के तटीय जिलों में तैनात किया गया है। भारी बारिश के कारण मुंबई के विभिन्न हिस्सों में पानी भर गया और इसके कारण यातायात पुलिस को चार सबवे बंद करने पड़े वहीं कई चालकों को अपने वाहन सड़कों पर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। लोकल ट्रेन सेवाएं भी बाधित हुयीं जो केवल स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में लगे कर्मियों के लिए चल रही हैं। पुलिस उपायुक्त (यातायात) पश्चिमी उपनगर सोमनाथ घरगे ने हमने कुछ स्थानों पर दो फुट तक पानी भर जाने के कारण चार सबवे बंद कर दिए हैं। हालांकि, एसवी रोड, लिंकिंग रोड और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर यातायात सुचारू है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में मध्यम से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। सीएमओ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तटीय क्षेत्र के निवासियों को असुविधा न हो और जहां जरूरी हों, राहत कार्य शुरू किए जाएं। भारी बारिश के कारण मुंबई में विभिन्न स्थानों पर पानी भर जाने को लेकर महाराष्ट्र के भाजपा नेता आशीष शेलार ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) पर निशाना साधा और कहा कि मानसून से पहले सफाई का काम पूरा कर लिए जाने के दावे की पोल खुल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में मुंबई के नाले, सीवर और खुली नालियों की सफाई में व्यापक स्तर पर अनियमितता बरती गई। शेलार ने कहा कि शिवसेना शासित बीएमसी के इस दावे की पोल खुल गई है कि मानसून से पहले नालों, सीवर और खुली नालियों की सफाई का सौ प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया था, क्योंकि शहर में भारी बारिश के बाद कई जगहों पर जलभराव हो गया। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रतिवर्ष नगर में नालों, सीवर और खुली नालियों की सफाई के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदारों, सत्ताधारी दल और अधिकारियों की मिलीभगत से पिछले पांच साल में एक हजार करोड़ रूपये की लूट हुई है।

आगामी चुनाव एनसीपी और शिवसेना मिलकर लड़ेंगे- शरद पवार

मुंबई।

गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी न केवल अपना कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि आगामी चुनाव भी शिवसेना के साथ मिलकर लड़ेगी। गुरुवार को पार्टी के 22वें स्थापना दिवस के अवसर पर शरद पवार ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ फेसबुक पर जुड़कर उनसे बातचीत की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में तीन दलों ने मिल कर इस सरकार का गठन किया है जो बहुत अच्छा काम कर रही है। कुछ लोग सरकार के भविष्य पर सवाल उठा रहे हैं जिनके कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवसेना और एनसीपी के साथ मिल कर काम करने पर किसी को कोई शंका नहीं होनी चाहिए। पवार ने कहा, 'लेकिन शिवसेना ऐसा दल है जिस पर भरोसा किया जा सकता है। बालासाहब ठाकरे ने इंदिरा गांधी के प्रति अपने वचन का सम्मान किया था। सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और अगले लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन करेगी।' पवार ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही पार्टी आज इतना लंबा सफर पूरा करने के बाद अपना 22वां स्थापना दिवस मना रही है। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहे हैं और महाराष्ट्र कोविड की समस्या से छुटकारा पा रहा है। शरद पवार ने शिवसेना के शिव भोजन थाली योजना की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वे लोग मराठा आरक्षण और अन्य पिछड़े वर्ग की समस्याओं का निराकरण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ÷ हमें स्थानीय स्व-सरकारी निकायों में मराठा आरक्षण, ओबीसी आरक्षण की समस्याओं को हल करना होगा।

यूपी के कोरोना की रिकवरी दर 98 फीसदी हुई, 24 घंटे में 642 मामले आये

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी के निरंतर कम होते प्रभाव के बीच राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 12 हजार 244 रह गयी है जबकि रिकवरी दर बेहतर होते हुये 98 फीसदी हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि सभी जिलों में स्थिति नियंत्रण में है। पॉजिटिविटी दर मात्र 0.3 प्रतिशत रह गई है, जबकि रिकवरी दर बेहतर होकर 98 फीसदी हो गया है। पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के 642 नए केस आए हैं। इसी अवधि में 1,231 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज भी हुए हैं। किसी भी जिले में 38 से अधिक नए केस नहीं पाए गए। संक्रमण में कमी की दिशा में यह अच्छा संकेत है। अब तक कुल 16 लाख 67 हजार प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 12,244 कोरोना मरीजों का उपचार हो रहा हैउन्होने कहा कि बरसात का मौसम शुरू हो गया है। यह समय इंसेफेलाइटिस और मलेरिया जैसी बीमारियों के प्रसार का है। बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी इंतजाम किए जाएं। 15 जून से बच्चों के लिए उपयोगी दवाइयों का किट घर-घर भेजे जाने का विशेष अभियान शुरू हो रहा है। इस संबंध में सभी जरूरी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। सर्विलांस को और बेहतर करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड टीकाकरण की प्रक्रिया प्रदेश में अच्छी है। अब तक उत्तर प्रदेश में 02 करोड़ 15 लाख 88 हजार 323 टीके लगाए जा चुके हैं। बीते 24 घंटे में 3,91,441 लोगों का टीकाकरण किया गया। अभी हम लगभग चार लाख डोज हर दिन लगा रहे हैं, इसे अगले दो-तीन दिनों के भीतर पांच से छह लाख तक बढ़ाया जाए। अगले माह तक इसे 10-12 लाख प्रतिदिन की क्षमता तक विस्तार देने के लक्ष्य है। इसके लिए वैक्सीनेटर बढ़ाने की कार्यवाही की जाए। बीते 24 घंटों में तीन लाख पांच हजार 731 टेस्ट हुए। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक कोविड टेस्ट करने वाला राज्य है। अब तक यहां पांच करोड़ 25 लाख 03 हजार 838 सैम्पल की टेस्टिंग हुई है।

तमाम अटकलों के बीच सीएम योगी ने की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात

लखनऊ।

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में बदलाव की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अचानक दिल्ली पहुंचे और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सीएम योगी का काफिला अमित शाह के आवास पर पहुंचा। इस मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि कोरोना से निबटने के उपायों पर योगी ने शाह को रिपोर्ट दी है। लेकिन सियासी हलके में चर्चाएं कुछ और ही हैं। कुछ महीनों बाद ही यूपी में होने वाले चुनाव से पहले लगातार मुलाकातों और बैठकों का दौर चल रहा है। इन बैठकों को लेकर सबसे बड़ी चर्चा मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हो रही है। गुजराज कैडर के आईएएस और पीएम मोदी के बेहद करीबी एके शर्मा के यूपी में एमएलसी बनने के बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा गर्म है। बुधवार की शाम प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह और महामंत्री संगठन सुनील बंसल के साथ भी सीएम योगी की बैठक हुई। इसके बाद अचानक गुरुवार की दोपहर एक बजे सीएम योगी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। योगी का विशेष करीब तीन बजे हिंडन एयरपोर्ट पर पहुंचा। वहां से साढ़े तीन बजे उनका काफिला दिल्ली के यूपी सदन पहुंचा। यूपी सदन से सीएम योगी का काफिला ठीक चार बजे अमित शाह के आवास के लिए रवाना हुआ। अमित शाह से मुलाकात के बाद कुछ अन्य केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ योगी मुलाकात कर सकते हैं।

पहले सिंधिया और अब जितिन बिखर गई है राहुल गांधी की टीम

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद पार्टी का हाथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। उनसे पहले पार्टी के कई नेता भाजपा में शामिल हुए हैं, पर जितिन के साथ छोडने से राहुल गांधी की युवा टीम बिखर गई है। क्योंकि, आने वाले दिनों में कुछ और नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। जितिन प्रसाद के 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। पर उस वक्त कांग्रेस ने इन अटकलों को खारिज कर दिया था। जितिन प्रसाद यूपी कांग्रेस का बड़ा चेहरा हैं। कई बार उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा हुई, पर हर बार उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। एआईसीसी में उन्हें कोई खास तवज्जो नहीं मिली। इसलिए, वह असंतुष्ट नेताओ में शामिल रहे। भाजपा के साथ समाजवादी पार्टी की कांग्रेस नेताओं पर नजर है। पश्चिमी उप्र के वरिष्ठ मुसलिम नेता सपा में शामिल हो सकते हैं। वहीं, कई दूसरे नेताओं के लिए जितिन ने भाजपा का दरवाजा खोल दिया है। ऐसे में तय है कि चुनाव से पहले कई और कांग्रेसी पाला बदल सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सिर्फ यूपी नहीं, दूसरे प्रदेशों में भी भगदड़ मचेगी। जितिन प्रसाद के पार्टी छोड़ने के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या युवा नेताओं का कांग्रेस से मोहभंग हो गया है।? राहुल गांधी की टीम का अहम हिस्सा रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन पार्टी छोड़ चुके हैं। मिलिंद देवड़ा भी पार्टी से बहुत खुश नहीं है। वह कई बार पार्टी पर सवाल उठा चुके हैं। सचिन पायलट की नाराजगी भी किसी से छिपी नहीं है। इन नेताओं के साथ महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव भी बहुत खुश नहीं हैं। कभी सोशल मीडिया की जिम्मेदारी संभालने वाली दिव्या स्पंदना भी चुप्पी साधे हुए हैं। इससे साफ है कि पार्टी के युवा नेता बहुत खुश नहीं हैं। लगातार हार के बाद उन्हें अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है। इसलिए पार्टी नेता अपना राजनीतिक करियर बचाने के लिए पाला बदलने के लिए तैयार हैं। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) के अध्यक्ष डॉ संजय कुमार मानते हैं कांग्रेस का युवा नेतृत्व अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। उनके मुताबिक, ऐसे लोग जो अपने करियर से शीर्ष पर है और उनके पास अभी तीस साल का राजनीतिक करियर है। वह नई जमीन तलाश रहे हैं। क्योंकि, कांग्रेस में उन्हें कोई भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। डॉ संजय मानते हैं कि कांग्रेस केरल और असम चुनाव जीत जाती, तो पार्टी नेताओं खासकर युवाओं में कुछ उम्मीद जग सकती थी। पर पार्टी जिस अंदाज में हारी है, उससे मायूसी बढी है। ऐसे में आने वाले दिनों में कुछ और नेता कांग्रेस का हाथ छोड़ सकते हैं। पार्टी अगले साल पंजाब और उत्तराखंड में सरकार बनाने में सफल रहती है, तो यह सिलसिला रुक जाएगा।

देश में नेजल वैक्सीन (नाक से दी जाने वाली) बनाने पर शोध जारी है

कोरोना से जंग जीतने में मदद कर सकती है नेजल वैक्सीन

नई दिल्ली ।

भारत में आखिरकार कोरोना की दूसरी लहर में गिरावट दिख रही है और सरकार लोगों को टीका लगाने और उन्हें घातक वायरस की तीसरी लहर से बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इसी क्रम में टीकों का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उन्हें जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा था कि देश में नेजल वैक्सीन (नाक से दी जाने वाली) बनाने पर शोध जारी है। उन्होंने कहा कि अगर यह शोध कामयाब हुआ तो टीकाकरण की मुहिम में और तेजी आएगी। आइए जानते हैं कि नेजल वैक्सीन क्या है और यह कैसे काम करती है। नेजल स्प्रे का लक्ष्य होता है कि वैक्सीन के डोज को सीधा सांस के रास्ते पहुंचाया जाए ताकि यह वैक्सीन सीधा उस जगह को अपना निशाना बनाए जहां से कोविड-19 इंफेक्शन शरीर को अपने चपेट में लेना शुरू किया था। कोरोना के ज्यादातर मामलों में यह देखने को मिला है कि वायरस म्यूकोसा के माध्यम से शरीर मे प्रवेश करता है और म्यूकोसल मेमब्रेन में मौजूद कोशिकाओं और अणुओं को संक्रमित करता है। ऐसे में हम अगर नाक के माध्यम से वैक्सीन देंगे तो यह काफी प्रभावी हो सकती है। इसीलिए दुनिया भर में नेजल यानी नाक के जरिए भी इस वैक्सीन को देने के विकल्प के बारे में सोचा जा रहा है और इस पर शोध चल रहा है। कनाडा की कंपनी सैनोटाइज ने दावा किया है कि उसने ऐसा नेजल स्प्रे बनाया है जो 99.99 फीसदी कोरोना वायरस को खत्म कर देता है। इस कंपनी का दावा है कि यह स्प्रे कोरोना से बीमार लोगों को जल्दी ठीक कर देगा। कंपनी ने कहा कि उनका नाक में डालने वाला स्प्रे हवा में ही कोरोना वायरस को खत्म करना शुरू कर देता है। इस नाइट्रिक ऑक्साइड नेजल स्प्रे को मरीजों को खुद अपनी नाक में डालना होता है। यह नाक में वायरल लोड को कम कर देता है. इससे न तो वायरस पनप पाता है और न ही फेफड़ों में जाकर नुकसान पहुंचा पाता है। इस नेजल स्प्रे का परीक्षण अमेरिका और ब्रिटेन में सफल रहा है।

सैनोटाइज का दावा है कि नेजल स्प्रे ने 24 घंटे के भीतर वायरल लोड को 95 फीसदी घटाकर कम कर दिया। इतना ही नहीं 72 घंटों में 99 फीसदी वायरल लोड कम हो गया। पुणे की कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और अमेरिकी कंपनी कोडाजेनिक्स मिलकर नाक से दी जाने वाली वैक्सीन बना रही हैं। वैक्सीन कैंडिडेट ने जानवरों पर अपना प्री क्लिनिकल ट्रायल पूरा कर लिया है। वर्तमान में इसका पहले चरण का परीक्षण चल रहा है।

बच्चों को लेकर केंद्र ने जारी की कोरोना गाइडलाइन

नई दिल्ली।

कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप भले ही भारत पर अब कम हो गया है। लेकिन देश अब खुद को तीसरी लहर के लिए तैयार कर रहा है विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना का तीसरी लहर का सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को होगा। इसलिए सरकार पहले से ही सभी सुरक्षा इंतजाम करने में लगी है। केंद्र सरकार ने संक्रमित बच्चों के इलाज को लेकर गाइडलाइन जारी की है। जिसमें सरकार ने बताया है कि बच्चों को स्टेरॉयड देने से बचा जाए। साथ ही यह भी कहा गया है कि बच्चों की शारीरिक क्षमता का आकलन करने के लिए 6 मिनट का वॉक लेने की सलाह भी दी गई है। गाइडलाइन में रेमडेसिविर के इस्तेमाल से भी बचने की सलाह दी गई है। दिशानिर्देशों में एंटीवायरल ड्रग रेमडेसिविर का इस्तेमाल न करने की सलाह दी गई है। साथ ही यह भी कहा गया है कि स्टेरॉयड भी निगरानी के साथ केवल गंभीर मरीजों की ही दिए जाएं। रेमडेसिविर आपातकालीन इस्तेमाल के लिए मंजूर दवा है। रेमडेसिविर को लेकर 18 साल से कम उम्र के बच्चों पर इसके असर और सुरक्षा का डेटा अभी मौजूद नहीं है। ध्यान देने वाली बात यह है कि जिन बच्चों को गंभीर रूप से अस्थमा है उनके लिए इस टेस्ट की सलाह नहीं दी गई है। केंद्र सरकारन ने कहा है कि बच्चों की शारीरिक क्षमता की जांच करने के लिए उन्हें 6 मिनट वॉक कराएं ताकि उनमें कार्डियो-पल्मोनरी एक्सरसाइज टॉलरेंस किया जा सके। बच्चों के अंगुली में पल्स ऑक्सीमीटर लगाकर उनसे 6 मिनट वॉक करने के लिए कहा जाए। अगर इस दौरान उनका ऑक्सीजन लेवल 94 फीसदी से नीचे आता है 3-5 फीसदी भी गिरता है या सांस लेने में दिक्कत देखी जाती है तो उसी के आधार पर बच्चों का अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि बच्चों के

मामले में सीटी स्कैन की सलाह भी दी गई है. हालांकि साथ ही यह भी कहा गया है कि हाई रेजोल्यूशन सीटी का सोच समझकर ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ध्यान देने वाली बात यह है कि जिन बच्चों को गंभीर रूप से अस्थमा है उनके लिए इस टेस्ट की सलाह नहीं दी गई है। केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि अगर बच्चे में कोरोना की बीमारी गंबीर हो गई है तो ऑक्सीजन की थेरेपी तुरंत ही शुरू कर देनी चाहिए।

कोरोना से मौतों ने तोड़ा रिकॉर्ड सिर्फ एक दिन में दर्ज हुए 6148 केस

नई दिल्ली।

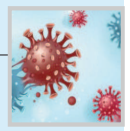

कोरोना के नए केसों की रफ्तार भले ही बीते तीन दिनों से थमी हुई है, लेकिन मौतों के आंकड़े ने डरा दिया है। बीते 24 घंटे में कोरोना के चलते 6148 लोगों की मौत दर्ज की गई है। यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है। भारत में कोरोना संक्रमण की शुरुआत से अब तक किसी भी दिन इतनी ज्यादा मौतें नहीं हुई थीं। पिछले एक दिन में कोरोना के 94,052 नए केस मिले हैं। इसके अलावा 1,51,367 लोग डिस्चार्ज हुए हैं। इस तरह से देखें तो नए केस के मुकाबले रिकवरी रेट डेढ़ गुना है। लेकिन मौतों के आंकड़ने दहशत पैदा कर दी है। इससे साफ है कि कोरोना को हल्के में नहीं लिया जा सकता और वह अब भी कहर बरपा सकता है। हालांकि कोरोना से एक दिन में मौतों का यह आंकड़ा इसलिए बढ़ा है क्योंकि बिहार ने अपना डेटा रिवाइज किया है। बिहार में कोरोना से मौतों के 3900 पुराने मामलों को भी बीते एक दिन में गई जानों में जोड़ दिया गया है। इसके चलते यह आंकड़ा काफी बड़ा दिख रहा है। यदि बिहार के 3,900 केसों को हटा दें तो पिछले एक दिन में 2248 लोगों की मौत हुई है।

समिति ने सोनिया गांधी को रिपोर्ट सौंपी कलह खत्म करने के लिए हाई कमान तय करेगा फॉर्मूला

नई दिल्ली।

कांग्रेस की पंजाब इकाई में कलह को दूर करने के मकसद से गठित तीन सदस्यीय समिति ने बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को सौंप दी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता वाली इस समिति ने सोनिया को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। एक सूत्र ने बताया, समिति ने रिपोर्ट सौंप दी है। अब कांग्रेस आलकमान जल्द ही कोई फॉर्मूला तय करेगा ताकि पंजाब में कलह को खत्म किया जा सके। समिति ने हाल ही में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू, कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों समेत कांग्रेस के पंजाब से ताल्लुक रखने वाले 100 से अधिक नेताओं से उनकी राय ली थी। खड़गे के अलावा कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी हरीश रावत तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल इस समिति में शामिल हैं। गौरतलब है कि कुछ सप्ताह पहले मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और पार्टी नेता नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली थी। विधायक परगट सिंह और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ अन्य नेताओं ने भी मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

कोरोना काल में मोहल्ला क्लीनिक क्यों बंद पड़े रहे : भाजपा

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी लगातार अरविंद केजरीवाल सरकार को दिल्ली में कोरोना प्रबंधन में नाकामी पर घेरने में जुटी है। भाजपा ने कहा है कि कोरोना काल में मोहल्ला क्लीनिक बंद क्यों पड़े रहे? सिर्फ विज्ञापन में फोटो देने के लिए मोहल्ला क्लीनिक बनाए गए थे क्या? प्रदेश अध्यक्ष आदेश कुमार गुप्ता ने कहा, अपने राजनैतिक लाभ के लिए दिल्ली के लिए खरीदे गए ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, दवाइयां एवं पीपीई किट दूसरे राज्यों में इस्तेमाल कर दिल्ली की जनता को केजरीवाल सरकार ने वंचित रखा। इसका जवाब देना चाहिए। आदेश कुमार गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने लचर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को छुपाने के लिए लोगों को होम आइसोलेशन में रोक कर संक्रमण को बढ़ाया और जिसके कारण दिल्ली में मृत्युदर देश में सबसे अधिक रही। बिना आरटीपीसीआर टेस्ट के होम आइसोलेट कर इलाज के दौरान हुई मौत का दोषी कौन? इसका भी केजरीवाल सरकार को जवाब देना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पूछा कि होम आइसोलेशन में कोरोना से हुई मौत में सभी मृतकों के परिजनों को कब तक मुआवजा मिलेगा? नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह विधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मच रहा है। लोग ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ रहे। मई 2021 तक तो केजरीवाल सरकार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर नहीं खरीद सकी थी। क्या यही है दुनिया का सबसे अच्छा केजरीवाल मॉडल?

सुमो ने लालू को दी सलाह, पीएम की नहीं, तो मुलायम की बात मानकर टीका लगवाएं

पटना।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुशील मोदी (सुमो) ने बुधवार को कोरोना टीका को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नहीं, तो अपने समधी मुलायम सिंह की ही बात क्यों नहीं मान लेते? भाजपा नेता सुशील मोदी ने कहा कि पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के बाद जब कोरोना वैक्सीन को भाजपा का टीका कहने वाले उनके पुत्र अखिलेश यादव ने भी इसे भारत का टीका स्वीकार कर टीका लेने की घोषणा की है, तब लालू प्रसाद को भी जिद छोड़कर अपने जन्मदिन पर (11 जून) राबड़ी देवी के साथ कोरोना टीका लगवा लेना चाहिए। उन्होंने कहा, लालू परिवार के 18 साल से अधिक उम्र के सभी सदस्यों को टीका लेकर उसकी फोटो मीडिया में डालनी चाहिए, जिससे ग्रामीणों में वैक्सीन को लेकर फैलाए गए भ्रम दूर होंगे और टीकाकरण की गति बढ़ेगी। मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा, लालू जी प्रधानमंत्री की नहीं, तो अपने समधी मुलायम सिंह की ही बात क्यों नहीं मान लेते? पूर्व उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को एक बयान जारी कहा कि राजद का प्रथम परिवार कोरोना टीके पर भ्रम फैलाने वाले विपक्ष के सुर में सुर मिलाता रहा, इसलिए उसके किसी विधायक ने सार्वजनिक रूप से वैक्सीन नहीं ली। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिहार का मुख्य विपक्षी दल कोरोना महामारी के समय समाधान का हिस्सा बनने के बजाय अनर्गल बयानबाजी कर समस्या बढाने का भागीदार बना रहा। मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद के जन्मदिन पर सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्र में टीका लेने की फोटो जारी कर वैक्सीन को लेकर फैलाए गए भ्रम दूर करने में सहायक हो सकते हैं।

जितिन प्रसाद के भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए बड़ी क्षति : अदिति सिंह

लखनऊ।

कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता जितिन प्रसाद के बुधवार को भाजपा में शामिल होने के कदम को कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने पार्टी की बड़ी क्षति बताया है। इसको लेकर कांग्रेस की बागी विधायक ने पार्टी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा पार्टी को आत्ममंथन करने की जरूरत है। रायबरेली सदर से विधायक अदिति सिंह को कांग्रेस ने निलंबित कर रखा है। कांग्रेस से विधायक रहे दिवंगत बाहुबली अखिलेश सिंह की बेटी अदिति सिंह ने कहा कि वरिष्ठ नेता जितिन प्रसाद का पार्टी को छोड़कर जाना एक बड़ी क्षति है। अब तो पार्टी को आत्ममंथन करना चाहिए। पार्टी में सुनवाई न होने के कारण युवा नेताओं में निराशा है। जितिन प्रसाद का कांग्रेस से जाना बहुत बड़ा नुकसान है। उनका खमियाजा उन्हें 2022 के चुनाव में भुगतना पड़ेगा। विधायक अदिति सिंह ने कहा कि हमारी समस्या शीर्ष नेतृत्व नहीं सुनता है। इसका उदाहरण समय-समय पर देखने को मिलता है। जनप्रतिनिधि की बात हाईकामान नहीं सुनता है। जबकि आपको उनकी बात सुननी पड़ेगी। अगर आप नहीं सुनते हैं तो भला आपकी पार्टी में लोग कैसे रहेंगे। इसीलिए धीरे-धीरे करके युवा कांग्रेस छोड़ रहे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया और कुंवर जितिन प्रसाद जैसे वरिष्ठ नेता क्यों जा रहे हैं। यह तो तय हो गया है कि कांग्रेस एक परिवार की पार्टी बनती जा रही है। भाजपा में जितिन प्रसाद जी का भविष्य काफी उज्ज्वल होगा। अदिति सिंह ने कहा, जितिन प्रसाद का पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए समस्या है। अब तो बड़े नेताओं को उत्तर प्रदेश में जमीन पर काम करने की जरूरत है। मंथन करें कि आखिर बड़े नेता पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की सियासत में जमीन पर कांग्रेस को काम करने की जरूरत है। मैं सच और साफ बोलती हूं। मेरी बात अगर किसी को बुरा लगती है तो हम इसका कुछ नहीं कर सकते। मैं प्रियंका गांधी पर कोई टिप्पणी नहीं करती, लेकिन उन्हें खुद देखने की जरूरत है।

आखिर मन का दर्द होठों पर आ ही गया

सचिन पायलट के बयान से फिर तेज हुई सियासी सरगर्मी

नई दिल्ली।

पिछले वर्ष कांग्रेस नेता सचिन पायलट द्वारा उठाए गए मुद्दों पर आलाकमान की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने संबंधी बयान के बीच राजस्थान में एक बार फिर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के उपनेता राजेन्द्र राठौड़ ने मंगलवार को कांग्रेस में कथित तौर पर बढ़ते असंतोष का हवाला देते हुए ट्वीट किया तो पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने उन्हें अपनी पार्टी यानी भाजपा की आंतरिक कलह को देखने की सलाह दी। पायलट के साक्षात्कार के बाद राठौड़ ने ट्वीट किया,'आखिर मन का दर्द होठों पर आ ही गया। ये चिंगारी कब बारूद बनकर फूटेगी, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने में तत्कालीन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने अहम भूमिका निभाई थी। सुलह कमेटी के पास मुद्दे अब भी अनसुलझे ही हैं। न जाने कब क्या हो जाए। पायलट ने इसकी प्रतिक्रिया में ट्वीट किया, %राज्य के भाजपा नेताओं को व्यर्थ बयानबाजी के बजाय अपनी स्थिति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आपसी फूट व अंतर्कलह इतनी हावी है कि राज्य में भाजपा विपक्ष की भूमिका भी नहीं निभा पा रही।' उन्होंने आगे कहा, इनकी नाकाम नीतियों से देश में उपजे संकट में जनता को अकेला छोड़ने वालों को जनता करारा जवाब देगी। हालांकि, पायलट से इस मुद्दे पर बात करने के लिए जब संपर्क किया गया तो उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने 10 महीने पूर्व उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर गठित केंद्रीय समिति द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की है। बता दें कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार में राजनीतिक नियुक्ति और मंत्रिमंडल फेरबदल का इंतजार पायलट खेमे के लोग कर रहे हैं। इससे पूर्व पायलट समर्थक वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी जिन्होंने हाल ही में कुछ मुद्दों को लेकर सरकार से नाराजगी जाहिर करते हुए अपना त्यागपत्र विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को भेजा दिया था। पायलट खेमे के अन्य नेताओं में शामिल वेद प्रकाश सोलंकी, रमेश मीणा ने हाल ही में सरकार के विरोध में अपनी आवाज उठाते हुए चिंताएं व्यक्त की थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र ने बुधवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि पार्टी आलाकमान ने कोई वादा किया है तो उसे पूरा करना चाहिए। सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी आलाकमान

अथवा प्रभारी महासचिव से जो भी बातचीत हुई है, उन्हें इसे पूरा करना चाहिए। यदि उन्होंने कोई मुद्दा उठाया तो मैं नहीं समझता उसमें कुछ गलत है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण तूफान से पहले मिल जाएगा अनुमान चक्रवात का पता

नई दिल्ली ।

भारत में ताउते और यास तूफान से काफी नुकसान हुआ है। मगर भविष्य में अब इन नुकसानों को कम किया जा सकता है, क्योंकि वैज्ञानिकों के एक समूह ने चक्रवाती तूफानों का जल्द पता लगाने का एक नया तरीका खोज निकाला है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अनुसार, इस तरीके में समुद्र की सतह पर उपग्रह से तूफान का पूर्वानुमान लगाने से पहले पानी में भंवर के शुरुआती लक्षणों का अनुमान लगाया जाता है। दरअसल, अब तक सुदूर संवेदी तकनीकों से इनका समय पूर्व पता लगाया जाता रहा है। हालांकि यह तरीका तभी कारगर होता है जब समुद्र की गर्म सतह पर कम दबाव का क्षेत्र ठीक से विकसित हो जाता है। डीएसटी ने कहा कि चक्रवात के आने से पर्याप्त समय पहले उसका पूर्वानुमान लगने से तैयारियां करने के लिए समय मिल सकता है। वैज्ञानिकों ने मानसून के बाद आए चार भीषण चक्रवाती तूफानों पर यह अध्ययन किया, जिनमें फालिन (2013), वरदा (2013), गज (2018) और मादी (2013) चक्रवात शामिल हैं। मानसून के बाद आए दो तूफानों-मोरा (2017) और आइला (2009) पर भी अध्ययन किया गया। पत्रिका एट्मॉस्फियरिक रिसर्च में हाल ही में यह अध्ययन प्रकाशित किया गया। अध्ययनकर्ता दल ने कहा कि मानसून के मौसम से पहले और बाद में विकसित होने वाले तूफानों के लिए कम से कम चार दिन और पहले सही पूर्वानुमान लगाने में यह नई पद्धति कारगर हो सकती है।

मुसलमानों से अपील गरीबी दूर करने के लिए कम करें जनसंख्या परिवार नियोजन: हिमंत बिस्वा

नई दिल्ली । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को अल्पसंख्यक समुदाय यानी मुसलमानों से गरीबी कम करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण के लिए सभ्य परिवार नियोजन नीति÷ अपनाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के 30 दिन पूरे होने के अवसर पर कहा कि समुदाय के सभी हितधारकों को आगे आना चाहिए और समुदाय में गरीबी को कम करने में सरकार का समर्थन करना चाहिए, जो मुख्य रूप से जनसंख्या में निरंतर वृद्धि के कारण है। उन्होंने कहा, सरकार सभी गरीब लोगों की संरक्षक है, लेकिन उसे जनसंख्या वृद्धि के मुद्दे से निपटने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के समर्थन की जरूरत है जो गरीबी, अशिक्षा और उचित परिवार नियोजन की कमी का मूल कारण है।÷ सरमा ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय की महिलाओं को शिक्षित करने की दिशा में काम करेगी ताकि समस्या से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार मंदिर, सतरा और वन भूमि पर अतिक्रमण नहीं होने दे सकती है। अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों ने भी सरकार को आश्वासन दिया है कि वे इन जमीनों का अतिक्रमण नहीं चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं से आत्मनिरीक्षण करने और लोगों को जनसंख्या नियंत्रण का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। आपको बता दें कि हिमंत बिस्व सरमा ने हाल ही में असम के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। इससे पहले वह सोनोवाल की नेतृत्व वाली सरकार में शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री थे। सरमा ने बतौर शिक्षा मंत्री राज्य में मदरसों को बंद करने का फैसला किया था।

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर, अब खुद चुन सकेंगे अपना डिस्ट्रीब्यूटर

नई दिल्ली। एलपीजी ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए मोदी सरकार ने उन्हें यह तय करने का विकल्प दे दिया है कि वे किस डिस्ट्रीब्यूटर से एलपीजी रिफिल चाहते हैं, ये चुन सकें। इस योजना के पहले चरण में इस सुविधा का फायदा चंडीगढ़, कोयंबटूर, गुड़गांव, पुणे और रांची में रहने वाले उठा सकेंगे। इसके बाद बाकी जगहों पर जल्द ही इसे लॉन्च किया जा सकता है। यह जानकारी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आज ट्वीट कर दी है। नई सर्विस के जरिए सरकार एलपीजी ग्राहकों को डिस्ट्रीब्यूटर चुनने से पहले उनकी रेटिंग देखने का ऑप्शन देगी। ये ऑप्शन ग्राहकों को की रिफिलिंग कराने के समय दिखाई देगा। जब ग्राहक मोबाइल ऐप ग्राहक पोर्टल के माध्यम से एलपीजी रिफिल की बुकिंग के लिए लॉग इन करेगा तो उसे वहां डिस्ट्रीब्यूटर चुनने का ऑप्शन मिलेगा और वहीं ग्राहकों डिस्ट्रीब्यूटर की रेटिंग भी शो होगी। बता दें कि ये रेटिंग अलग-अलग एरिया के हिसाब से बदल सकती है। इस सुविधा के जरिए ग्राहक अपने लिए बेहतर डिस्ट्रीब्यूटर चुन सकेगा। इससे डिस्ट्रीब्यूटर्स कंपनी के बीच अच्छी सर्विसेज देने का कम्पटीशन बढ़ेगा जिसका सीधा फायदा ग्राहकों को होगा।

दिल्ली में मिले 305 नए मामले, 560 ठीक हुए, 44 संक्रमितों की मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर अब खत्म होती नजर आ रही है। गुरुवार को सामने आए आंकड़ों ने सबकी चिंता और बढ़ा दी है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना से छह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जो अबतक का एक दिन में हुई मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश में कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार को और तेज करने के लिए केंद्र सरकार ने अब इस अभियान को पूरी तरह से अपने हाथ में ले लिया है। केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसके मुताबिक अब राज्य को वैक्सीन भी केंद्र सरकार देगी और वो भी मुफ्त। वहीं 21 जून से 18+ लोगों को फिर से वैक्सीन लगनी शुरू हो जाएगी। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सवाल किया है कि 21 जून के बाद वैक्सीन कैसे मिलेगी, क्योंकि वैक्सीन की भारी कमी है।

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने की बैठक

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने गुरुवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण कार्यक्रम को लागू करने के लिए जारी संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान राज्यों को स्वास्थ्य और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को टीके की दूसरी खुराक दिए जाने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी गई।

सार समाचार

भारत के बाद अब ब्रिटेन में कोरोना का कहर, फरवरी के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा मामले

लंदन । ब्रिटेन में फरवरी के बाद से कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक दैनिक मामले सामने आए हैं, जो यह दर्शाता है कि संक्रमण का डेल्टा स्वरूप (वैरिएंट) देश में तेजी से फैल रहा है।
सरकारी आंकड़ों में बुधवार को बताया गया कि ब्रिटेन में संक्रमण के 7,540 नए मामले सामने आए, जो 26 फरवरी के बाद से सर्वाधिक दैनिक नए मामले हैं। डेल्टा स्वरूप के संक्रमण के कारण पिछले कुछ सप्ताह से ब्रिटेन में दैनिक मामले बढ़ रहे हैं। देश में संक्रमण के कारण 1,27,860 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका वैश्विक रूप से साझा करने के लिए फाइजर के टीके की 50 करोड़ खुराकें खरीदेगा

वाशिंगटन। अमेरिका वैश्विक कोवैक्स गठबंधन के जरिए कम आय वाले 92 देशों और अफ्रीकी संघ को अगले साल कोविड रोधी टीका दान करने के लिए फाइजर के टीके की 50 करोड़ खुराकें खरीदेगा। मामले की जानकारी रखने वाले शख्स ने यह सूचना दी है। व्यक्ति ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन समूह सात शिखर सम्मेलन के शुरू होने से पहले एक भाषण में बृहस्पतिवार को इस बाबत घोषणा करेंगे। टीके की 20 करोड़ खुराकें इस साल दान दी जाएंगी जबकि शेष खुराकें 2022 के पहले छह महीनों के दौरान दान दी जाएंगी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि बाइडन टीका साझा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि यह अमेरिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य और रणनीतिक हित में है। अमेरिका को टीका साझा करने की वैश्विक योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए दबाव का सामना करना पड़ा है। कुल मिलाकर व्हाइट हाउस ने जून के अंत तक दुनिया भर में आठ करोड़ खुराकें साझा करने की घोषणा की है जिनमें से अधिकतर कोवैक्स के जरिए दी जाएंगी।

वेस्ट बैंक में गोलीबारी में दो फलस्तीनी अधिकारियों के मारे जाने की खबर

रामल्ला (वेस्ट बैंक)। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में जेनिन नगर में बृहस्पतिवार की सुबह झड़पों के दौरान इजराइली बलों ने उसके दो सुरक्षा अधिकारियों को गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। ऑनलाइन वीडियो में फलस्तीनी अधिकारी वाहन की ओट लेते दिख रहे हैं और पीछे गोली चलने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। इनमें से एक अधिकारी कहता नजर आ रहा है कि वे इजराइली 'अंडरकवर' बलों के साथ गोलीबारी कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस गोलीबारी में एक तीसरा फलस्तीनी गंभीर रूप से घायल हो गया। इजराइली सेना की ओर से तत्काल इस पर कोई टिप्पणी नही की गई। स्थानीय मीडिया पर दिखाए जा रहे एक पोस्टर में दो मृतकों की पहचान फलस्तीनी प्राधिकरण के सैन्य खुफिया बल के सदस्यों के तौर पर हुई है। फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा प्रशासित स्वायत्त वेस्ट बैंक इलाकों में इजराइली छापेमारी आम हैं और अक्सर इसका मकसद वांछित फलस्तीनियों को गिरफ्तार करना होता है। हालांकि, फलस्तीनी बलों के साथ झड़प दुर्लभ होती हैं क्योंकि ऐसे अभियान दोनों पक्षों के बीच समन्वित माने जाते हैं।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने कुवैत पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

कुवैत सिटी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने बृहस्पतिवार को कुवैत पहुंचे। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि इस दौरे का उद्देश्य तेल सम्पन्न खाड़ी देश के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करना है। दोनों देशों ने करीब तीन महीने पहले ऊर्जा, व्यापार, निवेश और श्रम तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए एक रूपरेखा बनाने के उद्देश्य से 'मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग' स्थापित करने का निर्णय किया था। कुवैत के विदेश मंत्री शेख अहमद नसीर अल-मोहम्मद अल-सबाह मार्च में भारत गए थे, उसी दौरान दोनों पक्षों ने संयुक्त आयोग के गठन का फैसला किया था। कुवैत में भारत के दूतावास ने 'इंडिया कुवैत फ्रेंडशिप' हैशटैग के साथ बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, ''भारत के माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर द्विपक्षीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे और उनकी अगवानी राजदूत ने की।'' वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निपटने के लिए भारत की मदद करने की खातिर कुवैत ने राहत सामग्री एवं मेडिकल ऑक्सीजन भेजी है। बीते कुछ हफ्तों में भारतीय नौसेना के पोत कुवैत से बड़ी मात्रा में मेडिकल ऑक्सीजन लेकर भारत गए हैं।

म्यांमार का सैन्य विमान अचानक हुआ क्रैश, दर्दनाक दुर्घटना में गई 12 लोगों की जान

नैप्यीडॉ। म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मेंडले के पास गुरुवार को एक सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। शहर की अग्निशमन सेवा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह सूचना दी। म्यांमार सेना के स्वामित्व वाले म्यावाडी टेलीविजन स्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, विमान राजधानी नेपीडॉ (नैप्यीडॉ) से पायिन ओ ल्विन शहर के लिए उड़ान भर रहा था और जब यह जमीन को ओर आ रहा था, तभी यह एक स्टील प्लांट से लगभग 300 मीटर (984 फीट) दूर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

म्यांमार के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने आंग सान सू ची पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया

बैंकॉक। (एजेंसी)।

सैन्य शासित म्यांमार में भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने कहा कि सत्ता से बेदखल की गई नेता आंग सान सू ची ने रियल एस्टेट सौदों में फायदे के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया और रिश्वत ली। सरकार के नियंत्रण वाले मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह खबर दी। सू ची के वकीलों ने पहले ही इन आरोपों को खारिज कर दिया था जब सैन्य सरकार ने पहली बार तीन महीने पहले इन मुद्दों को उठाया था। सेना ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार का फरवरी में तख्तापलट कर दिया था। सू ची के समर्थकों का कहना है कि सभी आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और उनकी छवि को खराब करने तथा सेना के सत्ता छीनने को वैध बनाने की कोशिश है।

म्यांमा के लोग इस तख्तापलट को लेकर नाखुश हैं और उन्होंने पिछले आम चुनावों में सू ची की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी को भारी संख्या में वोट दिया था। किसी भी अपराध में दोषी पाए जाने पर सू ची को अगला चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जा सकता है। जुंटा ने दावा किया कि वह अगले साल या दो साल के भीतर नए चुनाव कराएगा लेकिन देश की सेना का चुनाव कराने का वादा करने और फिर ऐसा न करने का लंबा इतिहास रहा है। फरवरी के तख्तापलट के बाद से ही सू ची ऐसी सूचना फैलाने के आरोपों का सामना कर रही हैं जिससे अशांति पैदा हो सकती थी। वह 2020 के चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कोविड-19 महामारी संबंधी पाबंदियों को कथित तौर पर तोड़ने के लिए प्राकृतिक आपदा प्रबंधन कानून के उल्लंघन के आरोपों का भी सामना कर रही हैं। साथ ही उन पर औपनिवेशिक काल के शासकीय गोपनीयता कानून के उल्लंघन का भी आरोप है।

सरकारी 'ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' अखबार में बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक खबर में कहा गया है कि भ्रष्टाचार रोधी आयोग की जांच पर आधारित शिकायतें बुधवार को संबंधित पुलिस थानों में दर्ज करायी गयी। सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी समेत अन्य मीडिया संगठनों ने भी ऐसी ही खबर दी है। खबर में कहा गया है कि सू ची पर भ्रष्टाचार रोधी कानून की धारा 55 के तहत आरोप लगाए गए हैं जिसमें उन्हें अधिकतम 15 साल की जेल हो सकती है। सू ची और उनकी पार्टी की वकील की विन ने कहा कि उनकी कानूनी टीम सू ची के साथ इन पर तब चर्चा करेगी जब वह अन्य आरोपों पर अदालत की अगली सुनवाई में मिलेंगे। बृहस्पतिवार को आयी खबर में कहा गया है कि भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने पाया कि सू ची ने यंगून क्षेत्र के पूर्व मुख्यमंत्री से गैरकानूनी तौर पर 6,00,000 डॉलर की घूस और सोने की सात छड़ें लीं। साथ ही इसमें कहा गया है कि सू ची ने अपनी मां के नाम पर बने एक परमार्थ फाउंडेशन के लिए बाजार से कम कीमत पर किराये की संपत्ति लेने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

भारत को कोविड-19 रोधी आठ करोड़ टीके देगा अमेरिका: विदेश विभाग

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत को संयुक्त राष्ट्र के समर्थन वाले 'कोवैक्स' वैश्विक टीका साझा कार्यक्रम के जरिए कोविड-19 रोधी आठ करोड़ टीके मिलेंगे। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दो जून को घोषणा की थी कि उनका देश दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के साथ अफ्रीका को कोवैक्स कार्यक्रम के जरिए अपने भंडार से कोविड-19 रोधी 2.5 करोड़ टीकों में से करीब 1.9 करोड़ टीके आवंटित करेगा। यह कदम उनके प्रशासन के जून के अंत तक दुनियाभर में आठ करोड़ टीके आवंटित करने के उद्देश्य का हिस्सा है।

व्हाइट हाउस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कोवैक्स के जरिए करीब 1.9 करोड़ टीके आवंटित किए जाएंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, ''मेरे पास इस बारे में सटीक जानकारी नहीं है कि टीके भारत में कब पहुंचेंगे। जाहिर तौर पर भारत को आठ करोड़ टीके मिलेंगे और मेरी जानकारी के मुताबिक इस क्षेत्र को करीब 60 लाख टीके दिए गए।हम जानते हैं कि भारत पर इस महामारी का काफी असर पड़ा है और हमने इन टीकों के संबंध में मदद की है।

टीका साझा करने की इस घोषणा से पहले भी मदद की। हमने भारत में अपने साझेदारों के साथ निकटता से काम करने की प्रतिबद्धता दिखाई ताकि इस महामारी से निपटने में उसकी मदद की जा सके।'' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन भारत की सरकार और लोगों को इस महामारी से निपटने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अड़िग है।

मस्जिदों से इकट्ठा हो रहा आतंकियों के लिए चंदा? पाक की पार्टी ने ही किया बेनकाब

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान न सिर्फ अपनी जमीन पर आतंकवाद को पनाह देता है, बल्कि आतंकियों के लिए धन भी इकट्ठा करता है। आतंक का आका पाकिस्तान इतना नीच हो चुका है कि वह आतंकवाद की राह में इस्लाम की सबसे पवित्र माने जाने वाली जगह मस्जिद तक का भी बेजा इस्तेमाल कर रहा है, जिसे वहां की विपक्षी पार्टी ने बेनकाब किया है। पाकिस्तान की विपक्षी पार्टी अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) ने मंगलवार को दावा कि पाकिस्तान की मस्जिदों के जरिए आतंकी संगठन अफगान तालिबान के लिए चंदा इकट्ठा किया जा रहा है। पार्टी ने सरकार से आतंकियों को मस्जिद के जरिए चंदा देने की इस प्रथा को खत्म करने के लिए तेजी से कार्रवाई करने को कहा।

'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के पूर्व प्रांतीय प्रवक्ता और अवामी नेशनल पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष आइमल वली खान ने सदरुद्दीन मारवात को श्रद्धांजलि देने के लिए बच्चा खान मरकज में आयोजित शोक सभा में बोलते हुए मस्जिदों में हो रहे दान के संग्रह के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान अफगानिस्तान (आतंकी संगठन) की मान्यता की वकालत करने वाले लोगों को पख्तूनों का दोस्त नहीं कहा जा सकता।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि आइमल वली खान ने दावा किया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और जमात-ए-इस्लामी सरकार में सहयोगी नहीं हैं, मगर उन दोनों को एक ही स्रोत से आदेश मिल रहे हैं। 'डॉन' की खबर के अनुसार, एएनपी नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा इस बात की ओर संकेत दिया है कि आतंकवादी देश के कुछ हिस्सों में फिर से संगठित हो रहे हैं, मगर सरकार ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कोई परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि पिछली गलतियों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान को आतंकवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एक रिपोर्ट में पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज ने कहा कि विभिन्न आतंकवादी, विद्रोही और हिंसक सांप्रदायिक समूहों ने तीन आत्मघाती विस्फोटों सहित पूरे पाकिस्तान में 146 हमले किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जो पाकिस्तान में एक प्रतिबंधित संगठन है और उसके सहयोगी 2020 में पाकिस्तान में अस्थिरता के प्रमुख कारक बने रहे, जिसने कुल 67 आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया।

मौलवी ने मलाला को दी फिदायीन हमले की धमकी, नोबेल विजेता के शादी वाले बयान पर भड़का गुस्सा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई को पाकिस्तान में फिर धमकियां दी जा रही हैं। फैशन मैगजीन वोग में शादी को लेकर दिए बयान की वजह से कट्टरपंथी उनसे नाराज हैं। ऐसे ही एक मौलवी ने मलाला पर आत्मघाती हमले की धमकी दे डाली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर भी पिछले कई दिनों से लोग मलाला को ट्रोल कर रहे हैं।

पिछले दिनों वोग को दिए इंटरव्यू में मलाला ने शादी को लेकर एक सवाल के जवाब में कहा था, 'मैं अभी भी नहीं समझ पाई हूं कि लोगों को शादी क्यों करनी पड़ती है? यदि आप किसी व्यक्ति को जीवन में चाहते हैं तो पेपर पर साइन क्यों करना पड़ता है। यह सिर्फ पार्टनरशिप क्यों नहीं हो सकती है?' पाकिस्तान में कई लोग इसे इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ बता रहे हैं।

इस बीच खैबरपख्तूनख्वाह के लक्की मरवात जिले में एक मौलवी ने नोबेल विजाते पर हमले की धमकी दे डाली। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन ने जिले के पुलिस अधिकारियों के हवाले से इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि बुधवार को मौलवी मुफ्ती सरदार अली हक्कानी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ आतंक-रोधी कानूनों के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मौलवी के धमकी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पेशावर में वह भीड़ को कानून हाथ में लेने के लिए उकसा रहा है और मलाला पर हमले की अपील करता है। हाथ में हथियार लिए वह कहता है, 'जब मलाला पाकिस्तान आएगी, तो सबसे पहले मैं उस पर फिदायीन हमले का प्रयास करूंगा।' पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद मौलवी के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पिछले एक साल में 2 में से 1 भारतीय-अमेरिकी भेदभाव का शिकार

वॉशिंगटन। पिछले एक साल में दो में से एक भारतीय-अमेरिकी के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया गया है। ये खुलासा एक नई स्टडी में हुआ है। यह अध्ययन कानेर्गी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, जॉन्स हॉपकिन्स-एसएआईएस और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण का शीर्षक सोशल रिएलिटीज ऑफ इंडियन अमेरिकंस : रिजल्ट्स फॉम द 2020 इंडियन अमेरिकन एटीट्यूड्स सर्वे रखा गया था। बुधवार को जारी यह ऐसा तीसरा सर्वेक्षण है, जो भारतीय-अमेरिकियों के सामाजिक, राजनीतिक और विदेश नीति के दृष्टिकोण पर आधारित है। स्टडी में कहा गया कि बीते एक साल में दो भारतीय अमेरिकियों में से एक ने अपने साथ भेदभाव होने की सूचना दी है। यह भेदभाव सबसे अधिक त्वचा के रंग के आधार पर किया गया। हैरान करने वाली बात यह है कि अमेरिका में पैदा हुए भारतीय मूल के अमेरिकियों ने देश से आए अपने समकक्षों के मुकाबले इस भेदभाव का अनुभव अधिक किया। अध्ययन के निष्कर्ष अमेरिका में 1,200 भारतीय-अमेरिकी निवासियों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित थे। यह रिसर्च एंड एनालिटिक्स फर्म यूगव के साथ साझेदारी में 1 सितंबर से 20 सितंबर, 2020 के बीच आयोजित किया गया था। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि भारतीय-अमेरिकी अधिकतर अपने समुदाय में ही शादी करते हैं। स्टडी के मुताबिक, दस में से आठ उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके पति या पत्नी भारतीय मूल के हैं।

बढ़ते वजन से परेशान है तानाशाह किम जोंग उन, यूं कर रहा मोटापा घटाने की कोशिश

लूमबर्ग। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के तानाशाही शासक किम जोंग उन को इन दिनों अपने भारी भड़कम वजन की चिंता सता रही है। शरीर का वजन कम करने के लिए वह लगातार कोशिश कर रहे हैं। जब बीते सप्ताह के अंत में काफी लंबे अरसे के बाद दिखे तो उनके शरीर पर चर्बी कम थी। किम अपने वजन को लेकर किस कदर चिंतित हैं, इसका प्रमाण उनकी कलाई पर बंधी स्विस घड़ी दे रही है।

एनके न्यूज द्वारा मंगलवार को प्रकाशित एक विश्लेषण के अनुसार, राज्य मीडिया द्वारा जारी नवीनतम तस्वीरों में किम की कलाई आईडब्ल्यूसी शैफहौसेन पोर्टोफिनो (घड़ी) से चारों ओर कसकर बांधी हुई दिखी। सियोल स्थित समाचार वेबसाइट ने पिछले महीनों से 12,000 डॉलर की इस घड़ी की क्लोज-अप तस्वीर जारी की थी। उत्तर कोरियाई नेता के वजन को लंबे समय से जासूसी एजेंसियों द्वारा उनके निरंकुश और गुप्त शासन की स्थिरता के बारे में सुराग के लिए ट्रैक किया गया है।आपको बता दें कि किम के परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा है। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने नवंबर में सांसदों को बताया कि किम का वजन अनुमानित 140 किलोग्राम (309 पाउंड) था। 2011 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने लगभग 50 किलोग्राम वजन बढ़ाया था। एनके न्यूज के वरिष्ठ विश्लेषणात्मक संवाददाता कॉलिन ज्विकों ने कहा, 'विदेशी खुफिया एजेंसियां जानना चाहती हैं कि क्या किम जोंग उन लंबे समय तक नेता बने रहने के लिए स्वस्थ हैं। अगर वह अस्वस्थ हैं तो पर्दे के पीछे क्या चल रहा है? यह उस क्षेत्र में सुरक्षा को कैसे प्रभावित करता है जब उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियार हैं।' पिछले साल 20 दिनों की अनुपस्थिति के दौरान किम का स्वास्थ्य वैश्विक सार्जशि का विषय बन गया। वह अपने दिवंगत दादा और राज्य के संस्थापक किम इल सुंग के जन्मदिन समारोह में भी नहीं दिखे। सियोल स्थित समाचार साइट डेली एनके ने बताया कि किम ने हॉर्ट का ऑपरेशन कराया था। एनके न्यूज ने इसकी पुष्टि के लिए किम की कलाई पर एक निशान का हवाला दिया। किम को शनिवार से पहले लगभग एक महीने तक नहीं देखा गया था। उन्होंने अंतिम बार आर्थिक मुद्दों पर एक सत्तारूढ़ पार्टी की बैठक में भाग लिया था। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री सुह वूक ने बुधवार को संसद को बताया कि किम का ध्यान फिलहाल उकसाने वाले सैन्य कदमों के जरिए क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाने के बजाय आंतरिक मामलों पर केंद्रित है।

कोरोना वायरस का टीका लगाने के बाद कुछ लोगों में क्यों दिखते हैं दुष्प्रभाव?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कोई भी टीका लगवाने के बाद शरीर में उसके अस्थायी दुष्प्रभाव नजर आते हैं जैसे सिर दर्द, थकान और बुखार। ये सभी लक्षण इस बात का संकेत हैं कि आपका प्रतिरक्षा तंत्र और अधिक सक्रिय हो रहा है। यह किसी भी टीके के प्रति सामान्य प्रतिक्रिया है और ये दुष्प्रभाव भी आम हैं। कोविड-19 टीके की पहली खुराक लेने के बाद थकान का अनुभव करने वाले अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के टीका प्रमुख, डॉ पीटर मार्क्स ने कहा, 'इन टीकों को लेने के अगले दिन, मैं कोई भी ऐसी शारीरिक गतिविधि नहीं कर सकता था जिसमें बहुत जोर लगाना पड़ता हो।'

ऐसा क्यों होता है इसे समझने के लिए हमें अपने प्रतिरक्षा तंत्र को समझना होगा। प्रतिरक्षा तंत्र के दो मुख्य भाग होते हैं जिनमें से पहला किसी भी बाहरी कण का पता चलने के फौरन बाद हरकत में आ जाता है। सफेद रक्त कोशिकाएं (डब्ल्यूबीसी) उस जगह पर जमा होने लगती हैं जहां बाहरी कण का पता चला है जिससे सूजन होती है जो ठंड लगने,दर्द होने, थकान और अन्य दुष्प्रभावों का कारण बनता है। आपकी प्रतिरक्षा तंत्र की यह त्वरित प्रतिक्रिया उम्र के साथ घटती जाती है। यही कारण है कि युवा लोगों में बुजुर्गों की तुलना में दुष्प्रभाव अधिक देखने को मिलते हैं। इसके अलावा, कुछ टीके दूसरों की तुलना में ज्यादा प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं। इसका अभिप्राय है कि हर किसी में अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिलती है। अगर आपको टीके की कोई भी खुराक लेने के एक या दो दिन बाद कुछ महसूस न हो रहा हो तो इसका यह मतलब नहीं है कि टीका काम नहीं कर रहा है।टीका लगाने के बाद आपके प्रतिरक्षा तंत्र का दूसरा भाग जो वायरस से आपको वास्तविक सुरक्षा उपलब्ध कराएगा, वह चुपचाप एंटीबॉडीज बनाने में लग जाता है। इसके अलावा एक और परेशान करने वाला दुष्प्रभाव है -जैसे ही आपका प्रतिरक्षा तंत्र सक्रिय होता है, यह कई बार लिंफ नोड्स (लसिका ग्रंथियों) में, जैसे जो बांह के नीचे होती हैं, उनमें कुछ वक्त के लिए सूजन आ जाती है। महिलाओं को कोविड-19 टीकाकरण से पहले नियमित मैमोग्राम कराने की सलाह दी जाती है ताकि गांठ को गलती से कैंसर न समझा जाए।

सभी दुष्प्रभाव नियमित या सामान्य नहीं होते। लेकिन दुनिया भर में करोड़ों टीके दिए जाने और गहन सुरक्षा निगरानी के बाद कुछ गंभीर जोखिमों की पहचान हुई है। एस्ट्राजेनेका और जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा निर्मित टीके लेने के बाद एक मामूली आबादी ने असामान्य प्रकार के रक्त के थक्के जमने की शिकायत की। कुछ देशों ने उन टीकों को बुजुर्ग वयस्कों के लिए सुरक्षित रख लिया था लेकिन नियामक अधिकरणों का कहना है कि इन्हें लगाने का फायदा जोखिमों से कई गुणा ज्यादा है। कुछ लोगों को गंभीर एलर्जी भी हो जाती है इसलिए आपसे कोई भी कोविड-19 टीका लेने के बाद 15 मिनट तक केंद्र पर ही रहने के लिए कहा जाता है ताकि किसी भी प्रतिक्रिया का तेजी से इलाज किया जा सके।

इसके अलावा अधिकारी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हृदय में अस्थायी सूजन जो कई प्रकार के संक्रमणों के साथ भी हो सकती है वह भी एमआरएनए टीकों का दुर्लभ दुष्प्रभाव है। फाइजर और मॉडर्ना के टीके एमआरएनए टीके हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारी किसी तरह का जुड़ाव तो अभी नहीं बता सके हैं लेकिन उन्होंने कहा है कि वे ऐसी कुछ खबरों की निगरानी कर रहे हैं खासकर युवा पुरुषों या युवकों में।

संपादकीय

विकास की उम्मीदें

विश्व बैंक ने दुनिया की आर्थिक स्थिति के बारे में अपने ताजा आकलन में कहा है कि इस वित्त वर्ष 2021-22 में दुनिया की अर्थव्यवस्था में 5.6 प्रतिशत की गति से बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी अस्सी साल पहले की विराट मंदी के बाद अब तक की सबसे तेज बढ़ोतरी होगी। इसके बावजूद वैश्विक उत्पादन महामारी के पहले के स्तर से लगभग दो प्रतिशत कम होगा। लेकिन अर्थव्यवस्था में यह बढ़ोतरी कुछ बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ज्यादा होगी। दुनिया की ज्यादातर उभरती हुई और कम आय वाली अर्थव्यवस्थाएं अब भी कोरोना के प्रभाव से निकलने के लिए संघर्ष कर रही होंगी। कई विकासशील देशों में अब भी टीकाकरण नहीं पहुंच पाया है, इसलिए कोरोना का साया बना हुआ है। यहां पिछले समय में गरीबी से लोगों को उबारने में जो सफलता मिली थी, उस पर कोरोना महामारी ने पानी फेर दिया है। कम से कम इस वित्त वर्ष में तो इस नुकसान की भरपाई होना मुश्किल लगता है। विकसित देशों की अर्थव्यवस्था का तेजी से बढ़ना फिर भी इसलिए राहत की बात होगी कि भारत, बांग्लादेश व वियतनाम जैसी कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए निर्यात के मुख्य बाजार विकसित देशों में ही हैं और निर्यात बढ़ने से इनकी घरेलू अर्थव्यवस्था को भी गति मिल पाएगी। लेकिन विश्व बैंक का कहना है कि इस महामारी ने गरीब देशों पर और ज्यादा गरीबी व गैर-बराबरी थोप दी है और इसे मिटाने के लिए टीके के वितरण और नई टिकाऊ , पर्यावरण के लिए फायदेमंद टेक्नोलॉजी पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। जहां तक भारत के विकास का सवाल है, तो विश्व बैंक ने 11.2 प्रतिशत के अपने पहले के अनुमान को घटाकर 8.3 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक का कहना है कि बुनियादी ढांचे और ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश, स्वास्थ्य तंत्र पर खर्च वगैरह की वजह से विकास तो होगा, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर ने जो नुकसान पहुंचाया है, उसके मद्देनजर पहले के आकलन से काफी कम होने की आशंका है। रिजर्व बैंक ने पिछले दिनों अपने आकलन में विकास दर को 10.5 से 9.5 प्रतिशत घटा दिया था। विश्व बैंक का कहना है कि मौजूदा संकट की छाया वर्ष 2023 में भी कुछ हद तक बनी रहेगी, इसलिए उस वर्ष विकास दर 7.5 प्रतिशत ही रहेगी। वैसे देखने में ये आंकड़े अच्छे लग रहे हैं, लेकिन हमें ख्याल रखना है कि हम शुरुआत 2020-2021 में नकारात्मक विकास दर (-7.3) से कर रहे हैं, इसके मद्देनजर विकास के आंकड़े उतने आकर्षित नहीं कर रहे हैं। चाहे हम भारतीय रिजर्व बैंक का आकलन मानें या विश्व बैंक का, यह स्वीकार करना होगा कि हम अर्थव्यवस्था के स्तर पर बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं। यह दौर बहुत जल्दी और आसानी से खत्म नहीं होने वाला है। ऐसे में, सबसे बड़ा संकट गरीबों की आय को बनाए रखने या जरूरत के अनुरूप उसे बढ़ाने और रोजगार देने को लेकर है। चाहे बैंक हों या उद्योग या आम आदमी ,आर्थिक असुरक्षा की भावना सबको पैसा बचाने पर मजबूर कर देती है, जिससे आर्थिक गतिविधियां और धीमी हो जाती हैं। ऐसे में, समाज में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना पैदा करना सबसे बड़ा काम है और सरकार को तुरंत युद्धस्तर पर इसमें जुट जाना होगा, अब ज्यादा वक्त नहीं है।

'आज के ट्वीट

पहला राज्य

यूपी बना देश का पहला राज्य,ज़हाँ 25 कोरोनाहॉस्पिटल,1 लाख बेड,और 50000 वेंटिलेटर तैयार लेकिन कोई विज्ञापन नही!

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

नदी जोड़ो अभियान: केन बेतवा परियोजना

डॉ. दिनेश प्रसाद मिश्र

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्षो पूर्व देश की जल एवं बाढ़ समस्या के निदान के लिए नदियों को परस्पर जोड़ने तथा केन बेतवा नदी को जोड़कर बुंदेलखंड की प्यासी धरती एवं वहां के लोगों की प्यास बुझाने हेतु इस परियोजना का जो सपना देखा था उसे साकार करने हेतु विश्व जल दिवस 23 मार्च को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना को साकार करने का श्रीगणेश किया। समझौते के समय उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए परियोजना के महत्व का प्रतिपादन करते हुए कहा कि यह परियोजना बुंदेलखंड का भाग्य बदलेगी, इससे प्यास भी बुझेगी और विकास भी होगा। दोनों मुख्यमंत्रियों ने सिर्फ कागज पर हस्ताक्षर ही नहीं किए हैं बल्कि बुंदेलखंड की भाग्य रेखा को नया रंग रूप दिया है। परियोजना से लाखों लोगों को पानी तो मिलेगा ही, बिजली भी मिलेगी प्यास भी बुझेगी और प्रगति भी होगी। इस परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश की बेतवा और केन नदी को आपस में जोड़ा जाना है। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किलोमीटर उत्तर की ओर चलकर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के चिल्ला गांव में यमुना नदी में मिलती है। इसी प्रकार बेतवा नदी मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना में मिलती है। 6000 करोड़ की इस परियोजना का मुख्य बांध पन्ना टाइगर रिजर्व के दौधन गांव में बनना है , 77 मीटर ऊंचा तथा 19633 वर्ग किलोमीटर जलग्रहण क्षमता वाले इस मुख्य बांध में 2853 एम सी एम पानी भंडारण की क्षमता होगी। 2613.19 करोड़ की लागत से बनने वाले इस बांध में दो बिजलीघर बनेंगे, जिससे 78 मेगा वाट बिजली मध्य प्रदेश को प्राप्त होगी । 341.55 करोड की लागत से इन बिजली घरों का निर्माण होगा। बांध से 2708. 36 करोड़ की लागत से नहरे बनाई जाएंगी । 218 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर उत्तर प्रदेश के बरुआसागर में जाकर मिलेगी इस नहर से 10 74 एम सी एम पानी प्रतिवर्ष भेजा जाएगा, जिसमें से 659 एम सी एम पानी बेतवा नदी में पहुंचेगा। दौधन बांध के अतिरिक्त तीन अन्य बांध भी मध्य प्रदेश में में बेतवा नदी पर बनाए जाएंगे। रायसेन तथा विदिशा जिले में बनने वाले मकोडिया बांध से 56850 एकड़ क्षेत्र में ,बरारी बैराज से 2500 तथा केसरी बैराज से 2880 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। लिंक नहर से मार्गो में 60294 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा ,इससे मध्य प्रदेश के 46599 व उत्तर प्रदेश के 13695 हे . क्षेत्र में सिंचाई होगी । दौधन बांध से छतरपुर और पन्ना जिले की 3.23 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इस परियोजना को मूर्त रूप देने में म कुल 35111 करोड़ रुपए व्यय होंगे, जिसमें से 90% धनराशि केंद्र सरकार वहन करेगी, शेष धनराशि की 5- 5% राशि राज्य सरकारें वहन करेंगी।

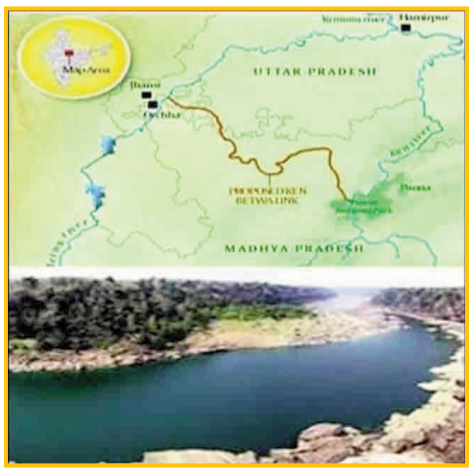

आज सूखे के प्रकोप से पीड़ित तथा बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड की भूमि को केन बेतवा लिंक परियोजना की लंबे समय से प्रतीक्षा थी, जो अब मूर्त रूप लेने जा रही है लेने जा रही है। बुंदेलखंड में उत्तर प्रदेश के सात और मध्य प्रदेश के 9 जिले आते हैं, जिन्हें इस परियोजना के मूर्त रूप लेने की लंबे समय से प्रतीक्षा थी, जो अब मूर्त रूप लेने जा रही है। योजना के मूर्त रूप लेने से हमीरपुर स्थित मौदहा बांध को लिंक नहर से जोड़कर भरा जाएगा। इससे दोनों राज्यों को लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश के महोबा झांसी ललितपुर एवं हमीरपुर के 21लाख लोगों को 67 मिलीयन क्यूबिक मीटर जल मिलेगा। इसके साथ ही बांदा झांसी महोबा ललितपुर एवं हमीरपुर के 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों की सिंचाई की जा सकेगी। हमीरपुर में मौदहा बांध को भरकर हमीरपुर में 26900 हेक्टेयर की सिंचाई व्यवस्था और तहसील राठ में पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। जनपद महोबा में लगभग 37564 हेक्टेयर ललितपुर में 3533 हेक्टेयर झांसी में लगभग 17488 हेक्टेयर और बांदा में लगभग 192479 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। जनपद झांसी में लगभग 14.66 मिलियन क्यूबिक मीटर ललितपुर में 31.8 क्यूबिक मीटर, हमीरपुर में 2.79 मिलियन क्यूबिक मीटर और महोबा में लगभग 20.13 मिलियन क्यूबिक मीटर जल पेयजल के रूप में उपलब्ध कराया जा सकेगा। परियोजना के अंतर्गत बरियारपुर पिकअप बीयर के डाउनस्ट्रीम में दो नए वैराजों का निर्माण कर लगभग 188 क्यूबिक मीटर जल भंडारण किया जा सकेगा। केन बेतवा लिंक नहर पर उत्तर प्रदेश की आवश्यकता के अनुसार आउटलेट प्रदान करते हुए महोबा हमीरपुर झांसी जिलों में अनेक वर्षों से पानी उपलब्ध न होने के कारण सूखे पड़े अनेक बांधों को बरसात में जल उपलब्ध कराकर भरा जाएगा। मध्यप्रदेश में छतरपुर टीकमगढ़ पन्ना जिले में किसान धान गेहूं की खेती कर सकेंगे, जो अबतक सिंचाई के साधनों के अभाव में नहीं कर पाते थे, वर्षा जल के सहारे बोई गई फसल प्रायः सूख जाती थी। अब पर्याप्त मात्रा में सिंचाई हेतु जल उपलब्ध हो जाने से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के न केवल किसान खुशहाल होंगे अपितु वहां के खेतों में फसलें लहलहाएंगी। दोनों राज्यों में 12 लाख हेक्टेयर भूमि में वर्ष में 2-3 फसलें उगाई जा सकेंगी, पीने का पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा जिससे क्षेत्र का चतुर्दिक विकास होगा। इस परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से मध्य प्रदेश के पन्ना टीकमगढ़ छतरपुर सागर दमोह दतिया विदिशा शिवपुरी और रायसेन जिले तथा उत्तर प्रदेश के बांदा महोबा झांसी और ललितपुर जिलो को इसका लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त अप्रत्यक्ष रूप से अन्य कई जिले इस परियोजना से लाभान्वित होंगे। यह परियोजना वर्ष 2005 में ही स्वीकृत की गई थी, जब उत्तर प्रदेश को रबी फसल के लिए 547 मिलीयन क्यूबिक मीटर एमसीएम और खरीफ फसल के लिए 1153 एमसीएम पानी देना तय हुआ था किंतु दोनों राज्यों के मध्य उत्तर प्रदेश को रबी फसल के लिए यह पानी देने को लेकर विवाद था। वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश ने रबी फसल के लिए 700 एमसीएम पानी की मांग रखी जो बाद में 788 एमसीएम तक पहुंच गई। तुरंत बाद यह मांग जुलाई 2019 में 930 एमसीएम पानी उपलब्ध कराने तक पहुंच गई और उसकी उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु उत्तर प्रदेश द्वारा इस आशय काका मांग पत्र भेज दिया गया। मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश को इतना पानी देने के लिए तैयार नहीं था जिससे दोनों राज्यों के मध्य पानी बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था और योजना को मूर्त रूप देना सम्भव नहीं हो सका था। वस्तुतः केन बेतवा लिंक परियोजना माननीय अटल बिहारी वाजपेयी की राष्ट्र को जोड़ने वाली स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क परियोजना की भांति समूचे राष्ट्र को जल तथा बाढ़ की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए देश की 37 प्रमुख नदियों को एक-दूसरे से जोड़ने की महत्वपूर्ण परियोजना थी जिनमें से मध्य प्रदेश के अंतर्गत नर्मदा तथा क्षिप्रा को जोड़ने की योजना मध्य प्रदेश राज्य से ही संबंधित होने के कारण समय से मूर्त रूप ले चुकी है। जिसके परिणाम स्वरूप गर्मी में सूख जाने वाली क्षिप्रा में अब गर्मी में भी पर्याप्त पानी बना रहता है तथा उज्जैन को अपेक्षा अनुसार जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होती रहती है। इन्हीं योजनाओं में केन बेतवा परियोजना भी थी जो समय के भंवर में फंसकर अनेक कारणों से अबतक मूर्त रूप नहीं ले सकी थी किंतु अब दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं प्रधानमंत्री की सदिच्छा से यह योजना मूर्त रूप लेने जा रही है। इससे दोनों राज्यों का चतुर्दिक विकास होने के साथ-साथ राष्ट्र की विकास की गति में भी इनका योगदान बढ़ेगा तथा बुंदेलखंड की प्यासी धरती सदियों से चली आ रही अपनी प्यास को बुझाकर राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

सभ्य नागरिक

श्रीराम शर्मा आचार्य

समाज शास्त्र के अनुसार प्रत्येक सभ्य नागरिक का यह पवित्र कर्तव्य है कि बुराइयों से वह स्वयं बचे और दूसरों को बचावे। जो स्वयं तो पाप नहीं करता पर पापियों का प्रतिरोध नहीं करता वह एक प्रकार से पाप को पोषण ही करता है। क्योंकि जब कोई बाधा देने वाला ही न होगा तो पाप और भी तीव्र गति से बढ़ेगा? हम सब एक नाव में बैठे हैं यदि इन बैठने वालों में से कोई नाव के पेंदे में छेद करे या उछलकूद मचाकर नाव को डगमगाये तो बाकी बैठने वालों का कर्तव्य है कि उसे ऐसा करने से रोके। यदि न रोका जाएगा तो नाव का डूबना और सब लोगों का संकट में पड़ना संभव है। यदि उस उपद्रवी व्यक्ति को अन्य लोग नहीं रोकते हैं तो उन्हें यह कहने का अधिकार नहीं है कि क्या करें, हमारा क्या कसूर है, हमने नाव में छेद थोड़े ही किया था। छेद करने वाले को न रोकना भी स्वयं छेद करने के समान ही घातक है। मनुष्य समाज परस्पर इतनी घनिष्ठता से जुड़ा हुआ है कि दूसरों को भुगतना पड़ता है। जयचन्द और मीरजाफर की गद्दारी से सारे भारत की जनता को कितने लम्बे समय की गुलामी की यातनाएं सहनी पड़ीं। हमारे समाज में यदि चारों ओर अज्ञान, अविवेक, कुसंस्कार, अन्धविश्वास, अनैतिकता, अशिष्टता का वातावरण फैला रहेगा तो उसका प्रभाव हमारे अपने ऊपर न सही तो अपने परिवार के अल्प विकसित लोगों पर अवश्य पड़ेगा। जिस स्कूल के बच्चे गंदी गालियां देते हैं उसमें पढ़ने जाने पर हमारा बच्चा भी गालियां देना सीखकर आएगा। गंदे गीत, गंदे फिल्म, गंदे प्रदर्शन, गंदी पुस्तकें, गंदे चित्र कितने असंख्य अबोध मस्तिष्कों पर अपना प्रभाव डालते हैं और उन्हें कितना गंदा बना देते हैं, इसे हम प्रत्यक्ष अपनी आंखों से देख सकते हैं। दो वेश्याएं किसी मुहल्ले में आकर रहती हैं और वे सारे मुहल्ले में शारीरिक या मानसिक व्यभिचार के कीटाणु फैला देती हैं। शारीरिक न सही, मानसिक व्यभिचार तो उस मुहल्ले के अधिकांश निवासियों के मस्तिष्क में घूमने लगता है। यदि मुहल्ले वाले उन वेश्याओं को हटाने का प्रयत्न न करें तो उनके अपने नौजवान लड़के बर्बाद हो जावेंगे। बुराई की उपेक्षा करना पर्याप्त नहीं है, पाप की ओर से आंखें बंद किये रहना सज्जनता की निशानी नहीं है। इससे तो अनाचार की आग ही फैलेगी और उसकी लपेटों से हम स्वयं भी अछूते न रह सकेंगे।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

नीति-निर्धारण के केंद्र में लाएं गांव

उमेश चतुर्वेदी

ग्रामीण सभ्यता प्रधान होने के बावजूद स्वतंत्र भारत में गांवों की गंभीर चिंता सिर्फ चुनावी मौसम में ही होती रही है। यह स्थिति कोरोना काल में भी दिख रही है। सब कह रहे थे कि कोरोना का असल संकट शहरों के बाद गांवों में दिखेगा। जहां स्वास्थ्य ढांचा अब भी बहुत कमजोर है। जहां अब भी इलाज के लिए लोग बंगाली डॉक्टर, स्थानीय कंपाउंडर टाइप लोगों और दवा के दुकानदारों पर निर्भर हैं।गांवों और उसके निवासियों को दोयम मानने की जड़ हमारे संविधान में ही है। संविधान सभा में यह सवाल उठा था कि संविधान में नागरिक को मूल इकाई माना जाए या फिर गांवों को। सभा के गांधीवादी सदस्य गांधी जी की सोच के मुताबिक संविधान में गांवों को इकाई मानने के हिमायती थे। गांधी जी ने 1909 में हिंद स्वराज नामक जो पुस्तिका लिखी थी, उसमें भावी स्वराज का खाका है। गांधी जी हिंद स्वराज में सभ्यता के मुताबिक गांवों को मूल और आत्मनिर्भर इकाई बनाने के पक्षधर थे। लेकिन जब संविधान सभा गठित हुई तो गांधी जी के इस विचार को न सिर्फ अंबेडकर, बल्कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी खारिज कर दिया था। अंबेडकर को यह बात कचोटती थी कि विदेशी आक्रमणों के दौरान भी गांव वाले निरपेक्ष बने रहे। वहीं जवाहर लाल नेहरू ने तो व्यंग्य में यहां तक कह दिया था कि बजबजाते और गंदे गांवों से सुराज की राह निकलेगी। संविधान सभा की बहसें अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं, उसमें अंबेडकर के ये विचार मिल जाएंगे। वहीं जवाहर लाल नेहरू की गांव संबंधी सोच का जिक्र राजमोहन गांधी द्वारा लिखित गांधी जी की जीवनी मोहनदास में तफसील से है। संविधान में गांवों को तरजीह न दिए जाने का असर यह हुआ कि भारत का पूरा नीति निर्धारण शहर केंद्रित होता गया। इसका असर मीडिया पर भी पड़ा। वह भी चुनावों के अलावा गांवों पर गंभीर ध्यान देने से लगातार बचता रहा। हाल के दिनों में ऑक्सीजन और दवाओं की उपलब्धता को लेकर हाईकोर्टों और सुप्रीम कोर्ट ने जो सुनवाई की, उनमें भी गांवों की भारी जनसंख्या और उसकी चिंता कहीं नहीं दिखी। दुर्भाग्यजनक यह है कि देश की चाहे आंतरिक सुरक्षा हो या बाहरी दुश्मनों से, इन गांवों से ही आए जवान यह भूमिका निभाते हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 67 प्रतिशत आबादी अब भी गांवों में ही रहती है। कोरोना काल में छोटी और दिहाड़ी वाली नौकरियां-मजदूरी करने वाली बड़ी आबादी गांवों को लौट चुकी है। मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि इन दिनों देश की करीब 70 प्रतिशत आबादी गांवों में ही रह रही है। लेकिन कोरोना काल में इतनी बड़ी आबादी की जितनी चिंता दिखनी चाहिए, वह कहीं नजर नहीं आ रही। प्रधानमंत्री ने 15 मई को जिला अधिकारियों के साथ बैठक में गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने और कोविड की रोकथाम के उपाय करने को कहा है। इसके बाद थोड़ी हलचल तो दिखी है।

लेकिन क्या इसका गंभीर असर होगा। भारत में इन दिनों मोटे तौर पर छह महानगर और बड़े राज्यों की राजधानियों और कुछ और बड़े शहरों की जनसंख्या को जोड़ दिया जाए तो यह मोटे तौर पर पैंतीस करोड़ बैठती है। अगर बिना रजिस्ट्रेशन वाले दिहाड़ी मजदूरों, छोटी नौकरियां करने के लिए रोजाना इन शहरों में आने वालों को जोड़ दें तो यह जनसंख्या चालीस करोड़ से ज्यादा नहीं बैठती। लेकिन पूरे तंत्र में सिर्फ इसी जनसंख्या की ही चिंता है। कोरोना काल में सोच की इस कमी का

असर दिखने लगा है। उत्तर प्रदेश हो या बिहार, झारखंड हो या बंगाल, उत्तराखंड हो या राजस्थान, छत्तीसगढ़ हो या मध्य प्रदेश, गांवों में रहने वाले लोगों में कोरोना का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और उनके लिए तंत्र, मीडिया और न्यायपालिका में कहीं भी गंभीर चिंता नजर नहीं आ रही। शहरों में बिजली चली जाए, पानी की सप्लाई ठप हो जाए, अस्पताल कर्मियों ने हड़ताल कर दी तो उस पर न्यायपालिका संज्ञान ले लेती है, तंत्र हिलने लगता है और मीडिया इस अंदाज में उसे प्रस्तुत करता है, जैसे भूकंप आ गया।

लेकिन असुविधाओं के पहाड़ पर रहने वाले गांव वालों को अपने दैनंदिन जीवन में रोजाना ऐसे भूकंप झेलने पड़ते हैं, लेकिन उस पर ध्यान शहरी समस्याओं के अंदाज में नहीं जाता। कोरोना में पहली प्राथमिकता अब गांवों को बचाने की है। उत्तर प्रदेश और बिहार से गंगा में लाशें बहाने की जो खबरें सामने आई हैं, वे गांवों की उपेक्षा की जीती-जागती तस्वीर है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी कह चुके हैं कि हर नागरिक तक सरकार स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं पहुंचा सकती।कोरोना से हम रोजाना सबक सीख रहे हैं। इसका एक सबक यह है कि अब हम गांवों को भी नीति निर्धारण के केंद्र में लाएं। नौकरशाही की सोच में भी गांवों को लेकर बदलाव लाने की कोशिश होनी चाहिए। उनके प्रशिक्षण में ही इसे गंभीरता से जोड़ा जाना चाहिए। न्यायपालिका को भी गांवों की ओर अपनी निगाह उठानी होगी।

टमाटर सब्जी के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ सलाद के रूप में भी काफी पसंद किया जाता है। टमाटर कोलेस्ट्रोल लेवल को बैलेंस कर शरीर में खून की कमी को भी दूर करता है। इसके सेवन से भूख लगने वाले हार्मोंस भी कंट्रोल में रहते हैं, जिससे आप आसानी से वजन कम कर सकती है। तो चलिए जानते हैं टमाटर का जूस पीने के अन्य फायदे...

टमाटर के जूस के फायदे अनेक लेकिन ये मरीज रहें सावधान

टमाटर का जूस क्यों है फायदेमंद?

टमाटर में विटामिन-सी, बायोलॉजिकल सोडियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और सल्फर उच्च मात्रा में होता है जो कई स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करता है। टमाटर के जूस में मौजूद पोषक तत्व कैंसर के खतरे को भी कम कर सकता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, इस जूस को सेवन करने से किसी भी प्रकार का इंफेक्शन होने का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा टमाटर के जूस में मौजूद केमिकल मांसपेशियों में होने वाले खिंचाव को कम करता है।

बल्ड-प्रेशर को करे कंट्रोल

फूड साइंस एंड न्यूट्रीशन' के एक शोध से पता चला है कि लगभग 184 पुरूषों और 297 महिलाओं को बिना नमक वाला टमाटर का जूस दिया गया है। इस अध्ययन के अंत में हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित 94 प्रतिभागियों के ब्लड प्रेशर में गिरावट हुई। उनका ब्लड प्रेशर 141.2/83 से घटकर 137.0/80.0 पर आ गया। जापान की टोकियो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर से इस बात का पता चला कि हाई कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित 125 पार्टिसिपेंट्स का कोलेस्ट्रॉल लेवल 155.0 मिलीग्राम से कम होकर 149.0 मिलीग्राम हो गया।

दुबले-पतले बच्चों के लिए फायदेमंद

बच्चों के रोज सुबह एक टमाटर या फिर टमाटर का रस निकालकर अवश्य खिलाएं।अगर बच्चे को सूखा रोग यानि जो बच्चे खाने-पीने के बावजूद दुबले-पतले रह जाते हैं, उन बच्चों को प्रतिदिन एक गिलास टमाटर का जूस पिलाने से सूखे रोग जैसी बीमारी में आराम मिलता है। बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए टमाटर बहुत फायदेमंद होता है।

पथरी के पेशेंट रहें सावधान

जिन लोगों को किडनी या पित्ते में पथरी की परेशानी है, उन्हें टमाटर का जूस नहीं पीना चाहिए। टमाटर के बीज काफी हद तक सख्त होते हैं, जो बहुत जल्द हमारी बॉडी में बिना पिसे ही पड़े रहते हैं। पथरी आमतौर पर तब होती है जब किडनी में ऑक्जलेट और कैल्शियम जैसे कई तत्व जमा होते-होते एक ठोस कंकड़ जैसे हो जाते हैं। टमाटर में भी ऑक्जालेट मौजूद होता है, लेकिन उसकी मात्रा सीमित होती है। हां अगर आप टमाटर के शौकीन हैं और बहुत ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो इसके बीजों को निकालकर इसका प्रयोग करें। आप चाहें तो बीज निकले हुए टमाटरों के जूस का भी सेवन कर सकते हैं।

टमाटर के अन्य फायदे...

-टमाटर का जूस ग्लोइंग स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

-टमाटर में मौजूद विटमिन और कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। टमाटर पाचन शक्ति को बेहतर करता है और पेट से -जुड़ी समस्या जैसे अपच, कब्ज़, दस्त जैसी स्थिति को कम करता है।

-मोटापा घटाने के लिए भी टमाटर का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रतिदिन एक से दो गिलास टमाटर का जूस पीने से वजन घटता है।

-गठिया के रोग में भी टमाटर बहुत फायदेमंद है। प्रतिदिन टमाटर के जूस में अजवायन मिलाकर खाने से गठिया के दर्द में आराम मिलता है।

-टमाटर का जूस विटामिन सी की मात्रा से भरपूर होता है, जो गभर्वती महिला के लिए काफी अच्छा होता है।

-अगर पेट में कीड़े हो जाएं तो सुबह खाली पेट टमाटर में काली मिर्च मिलाकर खाने से फायदा होता है।

-टमाटर के नियमित सेवन से डायबिटीज में फायदा होता है। इससे आंखों की रौशनी बढ़ती है।

आंवले का करें ऐसे इस्तेमाल, आपकी त्वचा की कई समस्याएं होंगी दूर

आंवला का इस्तेमाल घरों में कई सालों से किया जा रहा है। स्वास्थ्य से लेकर सौंदर्य तक में आंवला बेजोड़ है। इसमें मौजूद औषधीय गुणों के कारण यह कई तरह की स्किन समस्याओं को दूर करने का माद्दा रखता है। अगर आप भी अपनी स्किन समस्याओं को नेचुरली मात देना चाहती हैं तो आंवला की मदद से बनने वाले इन फेस पैक्स का सहारा लीजिए और फिर देखिए कमाल-

अगर हो स्किन ब्लेमिश

स्किन ब्लेमिश को दूर करने के लिए आंवला का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप तीन बड़े चम्मच आंवला पाउडर लेकर उसमें एक चम्मच हल्दी और दो बड़े चम्मच नींबू का रस डालकर मिक्स करें और एक फाइन पेस्ट बनाएं। अब आप इसे अपने चेहरे पर ल गा क र 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से स्किन साफ करें। आप सप्ताह में एक बार इस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं।

निखारे रंगत

अगर आप अपनी स्किन को लाइटन व ब्राइटन करना चाहती हैं तो उसमें भी आंवला आपकी मदद कर सकता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए दो टेबलस्पून आंवला का रस लेकर उसमें एक चम्मच शहद और पपीते को मैश करके उसे मिक्स करें। अब आप इसका एक फाइन पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। आप इस पेस्ट को लगातार कुछ दिन तक लगाएं और फिर आपको अपने चेहरे में काफी निखार नजर आएगा।

ऑयली स्किन की समस्याएं

गर्मी के मौसम में ऑयली स्किन को काफी समस्याएं होती है। चेहरे से ऑयल का अतिरिक्त स्त्राव पिंपल्स आदि को बढ़ावा देता है। ऐसे में आंवला की मदद से आपकी स्किन का बेहतरीन तरीके से ख्याल रख सकती हैं। इसके लिए आप एक बाउल में दो बड़े चम्मच आंवला पाउडर लेकर उसमें गुलाबजल मिक्स करें। आप इस पैक को सप्ताह में दो बार लगा सकती हैं। यह पैक स्किन में तेल बनाने वाले पोर्स को कम करने में मदद करेगा और आपको एक निखरी त्वचा प्रदान करेगा।

निकाले डेड स्किन

हर किसी की स्किन पर कुछ दिन में डेड स्किन सेल्स जमा हो जाती है, जिससे स्किन डल व बेजान नजर आती है। ऐसे में आप इसे एके बेहतरीन स्क्रब के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। दो बड़े चम्मच आंवला का पाउडर लेकर एक बड़ा चम्मच नींबू का रस व एक चम्मच चीनी मिक्स करें। अब आप इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से स्क्रब करें। इससे चेहरे की सारी अशुद्धियां दूर होती हैं। आप सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का का प्रयोग कर सकती हैं।

पहली बार बच्चों को ब्रश करवा रहें है तो रखें इन 9 बातों का ध्यान

छोटे बच्चों की देखभाल के साथ साथ उनकी साफ सफाई का ध्यान रखना बहुत ही जरुरी होता है, क्योंकि बच्चों को नहीं पता होता है कि उन्हें किस तरह से अपनी हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। नई मांओं के मन में हमेशा इस बात को लेकर सवाल रहते है कि किस तरह से हमें ब्रश करना चाहिए, उन्हें ब्रश करवाने का सही तरीका क्या हैं। जिस तरह से हर बच्चे का बड़ा होने का समय अलग अलग होता है उसी तरह से उनके दांत भी अलग अलग समय पर निकलते हैं।

विशेषज्ञों की माने तो जैसे ही बच्चों के दांत निकलते हैं बच्चों का ब्रश करवाना शुरु कर देना चाहिए, क्योंकि पहले दांत से ही सड़न की समस्या शुरु हो सकती हैं। इससे पहले उंगली की मदद से उन्हें ब्रश करवाएं, मुंह को साफ करें। जब एक बार बच्चों के लिए ब्रश का इस्तेमाल करना शुरु कर देते है तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जिससे की बच्चों को ब्रश करने की आदत तो पड़ेगी साथ ही उनके दांत भी सुरक्षित रहेंगे।

1. मां व पिता दोनों में से एक हमेशा उनके साथ ब्रश करें। इसे एक गेम की तरह बना कर एक बार आप एक बार उसे ब्रश करने को कहें।

2. जब एक बार बच्चे को टूथ ब्रश पकड़ना आ जाए फिर उसे मुंह के अंदर व बाहर दातों पर अच्छे से ब्रश करना सीखाएं।

3. बच्चों के लिए सिपंल ब्रश की जगह मार्किट में मिलने वाले अलग अलग चरित्र व आकर्षित देखने वाले ब्रश लें।

4. बच्चों को ब्रश देने से पहले जांच ले कि वह आगे सी तीखा न हो, सॉफ्ट हो ताकि बच्चों को मसूड़ों में न लगे।

5. बच्चों को शीशे के सामने ब्रेश करने को कहे, ताकि वह देख सकें की किस तरह से ब्रश किया जा रहा है। इसके साथ ही हल्के म्यूजिक को लगा दें, ताकि वह इस चीज को एंजॉय करते हुए ब्रश कर सकें।

6. हर तीन महीनें के बाद बच्चों का ब्रश बदल देना चाहिए, इससे दांत व मुंह में कीटाणु नहीं फैलते हैं।

7. अगर बच्चा ब्रश का इस्तेमाल नहीं कर रहा है तो बच्चे का मुंह खोल कर सूती कपड़े को गुनगुने पानी में भिगोकर उसके मसूढ़े व जीभ को साफ कर दें। लेकिन इसे ध्यान से करें कहीं उसके मुंह में न लग जाएं।

8. मार्किट में बच्चो के लिए स्पेशल टूथपेस्ट उपलब्ध रहती है, उसी का प्रयोग करें। क्योंकि वह फ्लोराईड मुक्त होती हैं।

9. कुछ खाने के बाद बच्चें को मुंह साफ करने की आदत जरुर डालें।

सोने से पहले लगाएं खीरा जैल सुबह चेहरा दिखेगा खिला-खिला

सर्दियों की तरह गर्मियों में भी तेज धूप से स्किन को बचाना बेहद जरूरी है। नहीं ड्राई स्किन, टैनिंग आदि की समस्या होने लगती है। इसके अलावा त्वचा के बेजान होने से चेहरे पर दाग, धब्बे, झुर्रियां, काले घेरे, पिंपल्स आदि की भी परेशानी होने लगती है। ऐसे में इससे बचने के लिए स्किन की खास देखभाल करने की जरूरत होती है। मगर अक्सर बिजी लाइफ स्टाइल के चलते लड़कियां अपनी स्किन पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती है। ऐसे में आज हम आपको खीरे से जैल के बारे में बताते हैं जिसे आपको बस रात को लगाकर सोना है। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट होने के साथ सुंदर, निखरी व खिली-खिली नजर आएगी।

सामग्री

ताजा खीरे का जूस-3 बड़े चम्मच, एलोवेरा जेल- 4 बड़े चम्मच, विटामिन ई कैप्सूल- 2।

बनाने की विधि व लगाने का तरीका

- सबसे पहले एक बाउल में तीनों चीजों मिलाएं।
- तैयार मिश्रण को बोतल में भर कर फ्रीज में ठंडा करने के लिए रखें।
- आप इसे 1 हफ्ते तक आसानी से इस्तेमाल कर सकती है।
- इसे लगाने के लिए सोने से पहले चेहरे को गुलाब जल या फेसवॉश से साफ करें।
- बाद में खीरे की इस होममेड जैल को थोड़ी मात्रा में लेकर सर्कुलर मोशन में चेहरे व गर्दन पर लगाएं।
- इससे 5 मिनट या त्वचा में समा जाने तक मसाज करें।
- इसे रात भर लगा रहने दें।
- सुबह चेहरे को धो।

खीरे का जूस

विटामिन्स, मिनरल्स व पानी से भरपूर खीरे स्किन को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में ड्राई स्किन, त्वचा पर खिंचाव होने की समस्या दूर होती है। वहीं इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एजिंग गुण स्किन का पीएच स्तर बराबर रखने में मदद करते हैं। इससे चेहरे पर पड़े दाग, धब्बे, पिंपल्स, झुर्रियां, काले आदि की समस्या दूर होती है। साथ ही स्किन में लंबे समय तक नमी बरकरार रहती है।

एलोवेरा जैल

एलोवेरा एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर होता है। इससे स्किन गहराई से पोषित होकर खुजली, जलन, ड्राई स्किन, पिंपल्स, झुर्रियों आदि की परेशानी दूर होती है। सनटैन से खराब हुई स्किन को भी यह अंदर से रिपेयर करती है। ऐसे में चेहरा साफ, निखरी, ग्लोइंग व जवां नजर आता है।

विटामिन ई तेल

विटामिन ई तेल को स्किन के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेट्री, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-एजिंग गुण स्किन को अंदर से रिपेयर करते हैं। ये डेड स्किन सेल्स को साफ करके नई त्वचा बनाने में मदद करता है। ऐसे में इस टोनर को लगाने से टैनिंग, झर्रियां, काले घेरे, दाग-धब्बे आदि समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

बालों की खोई चमक लौटा देगा गुड़हल

फूलों को देखकर हर किसी का मन खिल उठता है। इसकी धीमी-धीमी खूशबू मन को शांत व खुशी से भर देती है। वहीं यह फूल बालों से जुड़ी कई परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। जी हां, गुड़हल के फूलों से तैयार पैक लगाने से बालों को जड़ों से मजबूती मिलती है। डैंड्रफ, हेयर फॉल व बालों संबंधी अन्य समस्या से आराम मिलता है। तो चलिए आज हम आपको गुड़हल के फूलों से बालों संबंधी समस्याओं को सुलझाने के अलग-अलग हेयर पैक बताते हैं...

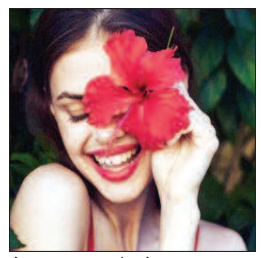

1. बालों में जगाए शाइन : रुखे व बेजान बाल देखने में बेहद ही गंदे लगते हैं। साथ ही इन्हें सुलझाने में कई दिक्कतें आने लगती है। ऐसे में बालों को पोषण देने व चमकदार बनाने के लिए गुड़हल का फूल फायदेमंद माना जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल : इसके लिए 2-2 बड़े चम्मच गुड़हल फूल का पाउडर और एलोवेरा जैल मिलाकर बालों पर 30 मिनट या सूखने तक लगाएं। बाद में इसे ताजे पानी से धो लें। इससे बालों का रुखापन, हेयर फॉल दूर होकर सुंदर, घने, मुलायम व चमकदार बनने में मदद मिलेगी।

2. बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए : गुड़हल के फूलों में मौजूद अमीनो एसिड बालों को पोषण पहुंचाते हैं। इससे बालों को जड़ों से मजबूती मिलती है। ऐसे में हेयर फॉल की समस्या दूर होकर बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा यह बालों पर कंडीशनर की तरह काम करता है। ऐसे में बालों का रूखापन दूर होकर मुलायम होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल : गुड़हल के 5-5 फूल और पत्तियों को पीस लें। फिर इसमें 1-1 बड़ा चम्मच जैतून और बादाम का तेल मिलाकर सिर पर 30 मिनट तक लगाएं। बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें।

3. डैंड्रफ से दिलाए छुटकारा : मौसम भले कोई भी डैंड्रफ की समस्या होना आम हो गया है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए गुड़हल के फूलों का हेयर पैक लगा सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल : 1 बड़ा चम्मच गुड़हल फूलों व पत्तों का पाउडर लें। इसमें 1 बड़ा चम्मच हिना पाउडर और 1/2 नींबू का रस मिलाकर स्कैल्प कर लगाएं। 30 मिनट तक इसे लगा रहने दें। बाद में ताजे पानी से धो लें।

सस्ता सोना खरीदने का मौका: दामों में आई गिरावट, चांदी की कीमतों में उछाल

(एजेंसी)

अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। भारत में आज सोने के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए रेट के मुताबिक 138 की टूट के साथ सोने की कीमत 48843 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं 354 रुपये की तेजी के साथ 999 शुद्धता वाली एक किलो चांदी की कीमत 71173 रुपये पर पहुंच गई है। आज राजधानी दिल्ली में 52420 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर है। कोलकाता में 50920 रुपये, मुंबई में 48680 रुपये और चेन्नई में 50500 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर है. पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमतों में 0.9 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने और चांदी की कीमतों में आ रही गिरावट त्तश्वद्यस्त्र में निवेश करने वालों के लिए एक अच्छा मौका है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 92 रुपये की गिरावट के साथ 48,424 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,516 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी भी 414 रुपये टूटकर 70,181 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में चांदी का बंद भाव 70,595 रुपये प्रति किलोग्राम था।

जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन मई में 10 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली,

जेएसडब्ल्यू स्टील ने गुरुवार को कहा कि उसके कच्चे इस्पात का उत्पादन मई 2021 में 10 प्रतिशत बढ़कर 13.67 लाख टन हो गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले साल इसी महीने उसका इस्पात उत्पादन 12.48 लाख टन था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में फ्लैट-रोल्ड उत्पादों के विनिर्माण में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और मई 2020 में 9.05 लाख टन की तुलना में यह मई 2021 में 9.99 लाख टन रहा। इस दौरान फ्लैट रोल्ड उत्पादों का विनिर्माण पिछले साल के मुकाबले 55 प्रतिशत बढ़ा।

टाटा पावर की अनुषंगी सीजीपीएल ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिए 570 करोड़ रुपए जुटाए

-सीजीपीएल इस राशि का इस्तेमाल अपना मौजूदा कर्ज चुकाने, पूंजी व्यय आदि के लिए करेगी

नई दिल्ली।

टाटा पावर ने गुरुवार को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी सीजीपीएल ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 570 करोड़ रुपए जुटाए हैं। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी गयी सूचना में कहा, कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने तीन साल की अवधि के लिये निजी नियोजन आधार पर जारी एनसीडी के जरिये 570 करोड़ रुपए जुटाये हैं। रेटिंग के साथ, सूचीबद्धता, कर योग्य, गारंटी के साथ विमोचनीय एनसीडी सफलतापूर्वक जारी और आवंटि किये गये हैं। कंपनी ने कहा कि सीजीपीएल इस राशि का इस्तेमाल अपना मौजूदा कर्ज चुकाने, पूंजी व्यय आदि के लिए करेगी। कंपनी ने कहा कि राशि का इस्तेमाल किसी भी ऐसे काम के लिए नहीं किया जाएगा जिसके लिए इस तरह के वित्त का इस्तेमाल करने को लेकर रिजर्व बैंक मंजूरी नहीं देता। कंपनी के एनसीडी को आईएनडी- एए रेटिंग दी गई है। इन पर 5.70 प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा जिसका वार्षिक भुगतान किया जायेगा।

जीएसटी काउंसिल की बैठक 12 जून को, जीएसटी दरों में कटौती पर आ सकता है बड़ा फैसला

(एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक 12 जून को होगी, जिसमें कोविड संबंधी आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती के बारे में फैसला किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान जीओएम की रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा।

28 मई को हुई पिछली बैठक

परिषद ने 28 मई को पिछली बैठक में पीपीई किट, मास्क और टीके सहित कोविड संबंधी आवश्यक वस्तुओं पर कर राहत देने के लिए मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) का गठन किया गया था। जीओएम ने सात जून को अपनी रिपोर्ट सौंपी। माना जा रहा है कि कुछ राज्यों के वित्त मंत्रियों ने कोविड संबंधी आवश्यक वस्तुओं पर कर में कटौती की वकालत की है।

सरकार आवश्यक वस्तुओं पर करों में कटौती के पक्ष में

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को कहा था कि राज्य सरकार मरीजों की सुविधा के लिए कोविड संबंधी आवश्यक वस्तुओं पर करों में कटौती के पक्ष में है।

हालांकि, वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के संबंध में जीएसटी परिषद के निर्णय को स्वीकार करेगी। खन्ना ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार मरीजों की सुविधा के लिए कर दरों में कटौती के पक्ष में है।''

जीएसटी दर से रियायत देने के मामले में कई सुझाव

कोविड से राहत दिलाने वाले सामान पर जीएसटी दर से रियायत दिये जाने के मामले में गठित मंत्री समूह ने इस संबंध में सुझाव दिए हैं। चिकित्सा ग्रेड की आक्सीजन, पल्स आक्सीमीटर, हैंड सेनिटाइजर, आक्सीजन उपचार संबंधी उपकरणों जैसे कंसेंट्रेटर, वेंटीलेटर, पीपीई किट, एन-95 और सर्जिकल मास्क तथा तापमान मापने वाले उपकरणों पर जीएसटी दर से छूट अथवा रियायत दिये जाने पर मंत्री समूह को सिफारिश देनी थी।

मैनकाइंड फार्मा ने ब्लैक फंगस की दवा पेश की

नयी दिल्ली,

मैनकाइंड फार्मा ने गुरुवार को कहा कि उसने देश में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा पोसाकोनाजोल गैस्ट्रो प्रतिरोधी टैबलेट की पेशकश की है। कंपनी ने इस दवा को पोसाफोर्स 100 ब्रांड नाम से बाजार में उतारा है।मैनकाइंड फार्मा ने एक बयान में कहा, ''चूंकि ब्लैक फंगस के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए इस संक्रमण से लड़ने के लिए दवा की पेशकश की गई है। दवा कंपनी हमेशा फार्मास्युटिकल उद्योग में सर्वोत्तम गुणवत्ता मानकों के साथ सस्ती दवाएं पेश करने की कोशिश करती है।'' देश में अब तक घातक ब्लैक फंगस के 12,000 से अधिक मामले देखे गए हैं, जिनमें सबसे अधिक मामले गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में हैं।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने कहा, सेबी के आदेश से मौजूदा योजनाओं पर असर नहीं

नयी दिल्ली,

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने निवेशकों के डर को दूर करते हुए कहा कि सेबी द्वारा कंपनी पर नई ऋण योजनाओं की पेशकश से रोक लगाने के कारण उसके द्वारा प्रबंधित मौजूदा योजनाओं पर कोई असर नहीं होगा। सेबी ने सोमवार को फ्रैंकलिन टेम्पलटन एसेट मैनेजमेंट कंपनी (इंडिया) पर दो साल तक कोई नई ऋण योजना लाने पर रोक लगा दी। इसके अलावा छह ऋण योजनाओं को बंद करने के मामले में नियामकीय नियमों के उल्लंघन के लिए कंपनी पर पांच करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही कंपनी से छह ऋण योजनाओं के संदर्भ में निवेश प्रबंधन और परामर्श शुल्क के रूप में जुटाए गए 512 करोड़ रुपये ब्याज सहित लौटाने को भी कहा है। सेबी के आदेश के अनुसार इस राशि का इस्तेमाल यूनिटधारकों को भुगतान के लिए किया जाएगा। सेबी का कहना है कि फ्रैंकलिन टेम्पलटन एएमसी द्वारा योजना के वर्गीकरण में गंभीर खामियां हैं और कंपनी ने निर्गम विकल्प का उपयोग नहीं करके नियमों का उल्लंघन किया है। हालांकि, फ्रैंकलिन टेम्पलटन एसेट मैनेजमेंट (इंडिया) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आदेश को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में चुनौती देने का फैसला किया है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन एएमसी के अध्यक्ष संजय सप्रे ने आठ जून को निवेशकों को भेजे एक ई-मेल में कहा कि सेबी के आदेश से छह ऋण योजनाओं की मौजूदा मुद्रीकरण प्रक्रिया पर कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''आदेश फ्रैंकलिन टेम्पलटन द्वारा प्रबंधित अन्य ऋण, इक्विटी, हाइब्रिड और ऑफशोर योजनाओं से संबंधित नहीं है और इसका कोई प्रभाव नहीं होगा।''

भारत में रेडमी नोट 10 सीरीज स्मार्टफोन की बिक्री 3,000 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मी इंडिया के एक उप-ब्रांड रेडमी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने रेडमी नोट 10 सीरीज स्मार्टफोन की 20 लाख यूनिट्स बेची हैं, जिसकी देश में बिक्री 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। ये कंपनी के लिए एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। रेडमी नोट 10 सीरीज के लॉन्च के बाद से कंपनी ने सभी प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल की है। इस साल मार्च में लॉन्च किए गए रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स, रेडमी नोट 10 प्रो, रेडमी नोट 10 एस और रेडमी नोट 10 उपभोक्ताओं को एक प्रीमियम और समृद्ध अनुभव प्रदान करते हैं। रेडमी इंडिया में बिजनेस हेड स्नेहा तेनवाला ने एक बयान में कहा, इस बड़ी छलांग के साथ 3,000 करोड़ रुपये की बिक्री का आंकड़ा एक उपलब्धि है, जो ब्रांड के साथ हमारी प्रतिबद्धता के साथ-साथ ग्राहकों की संतुष्टि का प्रमाण है। हम अपने पदचिह्न को मजबूत करना जारी रखते हैं। हम आशा करते हैं कि इस अभूतपूर्व समय के दौरान भी अपने उपभोक्ताओं को एक सहज और अनूठा अनुभव प्रदान करना जारी रखेंगे। रेडमी नोट 10 सीरीज में 120 हर्ट्ज सुपर एएमओएलईडी डिस्प्ले, 108 मेगापिक्सल कैमरा, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 732जी और भी बहुत कुछ जैसे हाई-एंड फीचर्स हैं। भारत में नियमित रेडमी नोट 10 की कीमत बेस 4 जीबी प्लस 64 जीबी मॉडल के लिए 11,999 रुपये से शुरू होती है और 6 जीबी प्लस 128 जीबी विकल्प की कीमत 13,999 रुपये है। रेडमी नोट 10 प्रो तीन स्टोरेज ऑप्शन में आता है और इसकी कीमत 6 जीबी प्लस 64 जीबी मॉडल के लिए 15,999 रुपये से शुरू होती है। 6 जीबी प्लस 128 जीबी और 8 जीबी प्लस 128 जीबी विकल्पों की कीमत क्रमशः 16,999 रुपये और 18,999 रुपये निर्धारित की गई है। रेडमी नोट 10 प्रो मैक्स भी रेडमी नोट 10 प्रो के समान स्टोरेज विकल्प के साथ पेश किया गया है। इसकी कीमत 6 जीबी प्लस 64 जीबी मॉडल के लिए 18,999 रुपये से शुरू होती है और 6 जीबी प्लस 128 जीबी विकल्प के लिए 19,999 रुपये तक जाती है। वहीं 8 जीबी रैम और 128 जीबी के टॉप मॉडल की कीमत 21,999 रुपये है। पिछले महीने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने दुनियाभर में 20 करोड़ से ज्यादा रेडमी नोट स्मार्टफोन बेचे हैं।श्याओमी ने बुधवार को घोषणा की कि उसके मी 11एक्स सीरीज के डिवाइस ने लॉन्च के केवल 45 दिनों में 300 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है।

वित्त वर्ष 2021 में भारतीय ऑनलाइन फैशन उद्योग में 51 प्रतिशत की बढ़त : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ई कॉमर्स उद्योग में भारत में ऑनलाइन फैशन उद्योग ने वित्त वर्ष 2021 में कुल 51 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विभिन्न ब्रांड वेबसाइटों पर 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। गुरुवार को जारी एक नई रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। यूनिकॉमर्स की फैशन ई कॉमर्स रिपोर्ट के अनुसार, ई कॉमर्स केंद्रित आपूर्ति श्रृंखला सॉस प्रोद्योगिकी मंच ने टियर 3 शहरों और उससे आगे के ऑर्डर वॉल्यूम में 192 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि किड्स वियर ऑनलाइन 200 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर वॉल्यूम वृद्धि के साथ सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला सेगमेंट रहा है। फैशन ब्रांडों के बीच डी2सी (डायरेक्ट टू कन्ज्यूमर) को अपनाने से उन्हें उपभोक्ता के साथ एक मजबूत जुड़ाव बनाने में मदद मिली है। यूनिकॉमर्स के सीईओ कपिल मखीजा ने कहा, फैशन सेगमेंट भारत के ई कॉमर्स उद्योग में सबसे अधिक ऑर्डर वॉल्यूम के साथ सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। हमें विश्वास है कि यह रिपोर्ट फैशन ई कॉमर्स उद्योग की बदलती गतिशीलता को समझने में फैशन ई टेलर्स की मदद करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रांड वेबसाइटों ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021 में 66 फीसदी ऑर्डर वॉल्यूम ग्रोथ और 77 फीसदी जीएमवी ग्रोथ दर्ज की है। वेबसाइटों की तुलना में, मार्केटप्लेस ने 45 फीसदी ऑर्डर वॉल्यूम ग्रोथ और 33 फीसदी जीएमवी ग्रोथ दर्ज की है, जिसमें वित्त वर्ष 2021 के औसत ऑर्डर वैल्यू में 8 फीसदी की गिरावट आई है। निष्कर्षों से पता चलता है कि फैशन ऑनलाइन शॉपिंग का चलन टियर 2 और 3 शहरों और उसके बाहर प्रमुखता से हो रहा है। कंपनियां अब स्टोर से अपने ओम्निचैनल ऑर्डर को 20 से 25 प्रतिशत तक पूरा कर रही हैं, जो यह दर्शाता है कि अधिकांश ब्रांड स्टोर ओम्नीचैनल को अपना रहे है। दूसरी ओर, किड्स वियर सेगमेंट ने 200 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर वॉल्यूम वृद्धि के साथ उद्योग को आश्चर्यचकित कर दिया और वित्त वर्ष 2020 में बाजार हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2021 में 17 प्रतिशत हो गई है। मेन्सवियर सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2021 में 37 फीसदी ऑर्डर वॉल्यूम ग्रोथ और 33 फीसदी मार्केट शेयर के साथ लगातार ग्रोथ बनाए रखी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वेस्टर्न वियर सेगमेंट पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 21 में 57 फीसदी ऑर्डर वॉल्यूम ग्रोथ में तेजी से बढ़ रहा है और इसकी बाजार में हिस्सेदारी 65 फीसदी है।

एयरपोर्ट कारोबार अलग करने की तैयारी में अडानी ग्रुप

मुंबई। एशिया के प्रमुख रईसों में गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप अपने एयरपोर्ट कारोबार को अलग करने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक इसके लिए शुरूआती बातचीत चल रही है। इसके तहत एयरपोर्ट कारोबार को ग्रुप की होल्डिंग कंपनी अडानी इंटरप्राइजेस से अलग किया जाएगा। इसे यूनिट की लिस्टिंग की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप को अडानी एयरपोर्ट हो ल्डिंग में शेयरों के प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए 50 करोड़ डॉलर जुटाने की उम्मीद है। इसके बाद कंपनी का आईपीओ लाया जाएगा। अभी अडानी ग्रुप के पास देश के दूसरे सबसे व्यस्त हवाई अड्डे मुंबई एयरपोर्ट का कंट्रोल है। साथ ही 6 और रीजनल एयरपोर्ट भी कंपनी के पास हैं। ग्रुप का लक्ष्य अपने एयरपोर्ट बिजनस का वैल्यूएशन 25,500 से 29,200 करोड़ रुपए पहुंचाने का है। इस बारे में कंपनी के शीर्ष अधिकारियों और संभावित इनवेस्टमेंट बैंकर्स के बीच चर्चा हुई थी। करीब आधा दर्जन ग्लोबल बैंकों और कुछ घरेलू बैंकर हाल में कंपनी के अधिकारियों से मिले थे। लेकिन अडानी ग्रुप एयर पैसेंजरों की संख्या में बेहतरी का इंतजार कर रहा है क्योंकि कोविड के कारण पैसेंजर ट्रैफिक में भारी कमी आई है।

सोनी द्वारा BRAVIA X90J सीरीज़ की घोषणा की गई है, जो कि BRAVIA XR प्रोसेसर के साथ दुनिया का पहला कॉग्निटिव इंटेलिजेंस टेलीविज़न है

नई दिल्ली। सोनी इंडिया द्वारा आज BRAVIA X90J, दुनिया की पहली कॉग्निटिव इंटेलिजेंस अङ्ग सीरीज़ की घोषणा की गई, जो मनुष्य के मस्तिष्क की तरह ही सोचती है। इन हाई -पॉवर्ड टेलीविज़न में Cognitive Processor XR लगा है जिसके द्वारा ऐसा इंटेलिजेंस डिलीवर किया जाता है जिसके द्वारा मानव कॉग्निटिव विशेषताओं को प्रदर्शित किया जाता है, जो दर्शक के फोकल प्वाइंट का पता लगाता है, और अनेक इमेज गुणवत्ता तत्वों का एनालाइज़ करता है ताकि ऐसी तस्वीर दिखाई जा सके जो अधिक न्यूरल और मानव स्मृति के अधिक समीप है। इसके द्वारा साउंड को 5.1.2 चैनलों तक अपस्केल किया जाता है ताकि दर्शक को टॉप से बॉटम तक सराउंड साउंड का आनन्द मिल सके, जो इमेज की संवेदना के समीप हो और वह साउंड जो लोग वास्तविक जीवन में महसूस करते हैं। Full Array LED पैनल की प्रीसीज़न, XR Triluminos Pro और क्ङ Contrast Booster के साथ, नई ङ्ग90ङ्घ सीरीज़ द्वारा सुप्रीम रिएलिज़्म और आश्चर्यजनक रूप से डिटेल्ड पिक्चर प्रदान की जाती है जो कि इससे पहले डिलीवर की जाने वाली तस्वीर से बेहतर है।

XR Cognitive Processor के साथ पॉवर्ड, दुनिया की पहली कॉग्निटिव इंटेलिजेंस टेलीविज़न सीरीज़, जिसका डिज़ाइन किसी मनुष्य की सोच की तरह और जिस तरह से मनुष्य देखता और सोचता है, उसे रेप्लिकेट करने के लिए तैयार किया गया है।

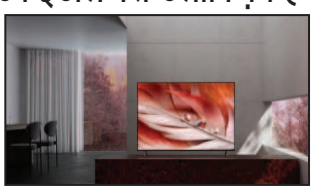

नई X90J सीरीज़, जो 189 cm (75), 165 cm (65) और 140 cm (55) में उपलब्ध है, उसमें शानदार Cognitive Processor XR के साथ विज़न और साउंड को अगले उच्च स्तर तक ले जाया गया है। यह मानव मस्तिष्क की तरह सोचता है और इसमें इस बात को समझा जाता है कि मानव किस तरह से देखता और सुनता है, जिससे एक वास्तविक अनुभव मिलता है, जिससे दर्शक अपने पसंदीदा कार्यक्रम में पूरी तरह से डूब जाता है। नए BRAVIA XR के मस्तिष्क, यानि Cognitive Processor XR द्वारा पॉवर्ड, BRAVIA TV द्वारा पूरी तरह से नई प्रोसेसिंग विधि का प्रयोग किया जाता है, जो परम्परागत AI से अधिक बेहतर है। जब हम वस्तुओं को देखते हैं, तो हम अवचेतन रूप से कुछ खास प्वाइंट्स को देखते हैं। कॉग्निटिव इंटेलिजेंस से पॉवर्ड, Cognitive Processor XR द्वारा स्क्रीन को अनेक ज़ोन में बांट कर इस बात का पता लगा लिया जाता है कि वह फोकल प्वाइंट कहां है, और फिर यह जानकारी खोज ली जाती है कि वह ''फोकल प्वाइंट'' पिक्चर में कहां पर है।

रियलमी ने मीडियाटेक डायमेंशिटी 1200 5जी प्रोसेसर के साथ भारत का पहला स्मार्टफोन

5जी इनेबल्ड स्मार्टफोन लॉन्च करने वाले भारत के पहले ब्रांड, रियलमी ने अपना लेटेस्ट व अत्याधुनिक स्मार्टफोन रियलमी एक्स7 मैक्स 5जी प्रस्तुत किया है, जिसमें भारत का पहला मीडियाटेक डायमेंशिटी 1200 5जी प्रोसेसर और नैक्स्ट जनरेशन का रियल स्मार्ट टीवी 4के है, जो 4के सिनेमेटिक अनुभव के साथ ऑल-राउंड पैकेज प्रदान करता है।

लॉन्च के बारे में श्री माधव शेठ, वाईस प्रेसिडेंट, रियलमी एवं चीफ एक्ज़िक्यूटिव ऑफिसर, रियलमी इंडिया एवं यूरोप ने कहा, ''हमें ये दो नए उत्पाद लॉन्च करने की खुशी है, जो रियलमी की अत्याधिक उन्नत टेक्नॉलॉजिकल अभिनवताएं हैं और ये हमारे ग्राहकों को रुचिकर अनुभव प्रदान करेंगे। रियलमी का उद्देश्य ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ टेक-लाईफस्टाईल अनुभव प्रदान करना है और इन दो नए उत्पादों का लॉन्च इस दिशा में उठाया गया अगला कदम है। भारत के पहले मीडियाटेक डायमेंशिटी 1200 5जी प्रोसेसर युक्त रियलमी एक्स7 मैक्स 5जी अतुलनीय 5जी स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करेगा, जो उद्योग में सर्वश्रेष्ठ होगा। रियलमी स्मार्ट टीवी 4के हमारे ग्राहकों को नैक्स्टजेन टेक्नॉलॉजी प्रस्तुत करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और स्मार्ट टीवी के सेगमेंट में हमारी दमदार पहुंच प्रदर्शित करता है। मुझे विश्वास है कि ये दोनों उत्पाद हमारे रियलमी फैंस के सहयोग एवं स्नेह के साथ अत्यधिक सफल होंगे।''

6एनएम चिप के साथ रियलमी एक्स7 मैक्स 5जी में भारत का पहला मीडियाटेक डायमेंशिटी 1200 5जी प्रोसेसर है, जो एक 6एनएम की चिप है एवं झ्यूअल 5जी स्टैंडबाय के साथ आता है। इसमें विशाल बैटरी और 50 वॉट का सुपरडार्ट चार्ज है, इसमें सुपर नाईटस्केप के साथ बेहतरीन ट्रिपल कैमरा है। रियलमी स्मार्ट टीवी 4के दो आकारों 43'' और 50'' में आता है और यह एक ऑल-इन-वन उत्पाद है, जो ग्राहकों को डॉल्बी विज़न एचडीआर टेक्नॉलॉजी, डॉल्बी एटमॉस इमर्सिव ऑडियो के साथ 4के का बेहतरीन सिनेमेटिक अनुभव देता है और यह प्रतिष्ठित टीयूवी रीनलैंड ब्लू लाईट सर्टिफिकेशन के साथ आता है।

भारत का पहला मीडियाटेक डायमेंशिटी 1200 5जी स्मार्टफोन, रियलमी एक्स7 मैक्स 5जी में झ्यूअल सिम झ्यूअल स्टैंडबाय सपोर्ट और 360 हर्ट्ज़ के टच सैंपलिंग रेट के साथ 120 हर्ट्ज़ का सुपर एमोलेड फुल स्क्रीन है। इस स्मार्टफोन में 4500 एमएएच की विशाल बैटरी है, जो 50 वॉट के सुपरडार्ट चार्जर द्वारा लगभग 16 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज हो जाती है। रियलमी एक्स7 मैक्स 5जी 179 ग्राम का स्लिम स्मार्टफोन है, जिसमें सुपर नाईटस्केप के साथ सोनी 64-मेगापिक्सल का ट्रिपल कैमरा और 16 मेगापिक्सल का वाईड-एंगल सेल्फी कैमरा है।

नई जगुआर एफ-पेस भारत में लॉन्च, कीमत सिर्फ 69.99 लाख रुपये

मुंबई, 10 जून 2021ः जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज घोषणा की कि उसने भारत में नए जगुआर एफ-पेस की डिलीवरी शुरू कर दी है। नई एफ-पेस पहली बार इंजेनियम 2.0 लीटर पेट्रोल और डीजल पावरट्रेन पर आर-डायनेमिक एस ट्रिम में उपलब्ध है। 2.0 लीटर का पेट्रोल इंजन 184 किलोवाट की पावर और 365 एनएम का टार्क देता है। वहीं, 2.0 लीटर का डीजल इंजन 150 किलोवाट की पावर और 430 एनएम का टार्क देता है। नई जगुआर एफ-पेस की भारत में एक्स-शोरूम कीमत 69.99 लाख रुपये है।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक, रोहित सूरी ने कहा, च्च्नई जगुआर एफ-पेस दिखने और लक्जरी अपील में एक नया मानदंड स्थापित करती है। इसका बेहतर और शानदार लुक मौजूदा और नए ग्राहकों को आकर्षित होने के लिए बाध्य कर देता है। ग्राहकों को इस प्रतिष्ठित लक्ज़री परफॉर्मेंस एसयूवी से बेहतर कनेक्टेड-कार अनुभव भी मिलेगा।ज्ज

नई बाहरी डिज़ाइन अवॉर्ड- विनिंग जगुआर एफ-पेस को एक साफ-सुथरी और अधिक सशक्त उपस्थिति देती है। इसमें एक विस्तृत उभार वाला मजबूत बोनट है। बड़े हुए ग्रिल में जगुआर का हेरिटेज लोगो लगा हुआ है, जिसमें च्च्यागमरज्ज का विवरण है, जबकि साइड फेंडर वेंट में प्रतिष्ठित लीपर प्रतीक है। पुनः डिज़ाइन किए गए एयर इंटेक और डार्क मेश विवरण के साथ एक नया फ्रंट बम्पर अधिक सशक्त उपस्थिति के लिए नए एफ-पेस को चौड़ा बनाता है। पिक्सल जेन डेलाइम रनिंग लाइट (डीआरएल) सिग्नेचर के साथ नए सुपर स्लिम ऑल-एलईडी क्वाड हेडलाइट्स बेहतर रिज़ॉल्यूशन और ब्राइटनेस प्रदान करते हैं। पीछे की तरफ, नई स्लिमलाइन लाइट्स हैं, जिसे पहले ऑल-इलेक्ट्रिक आई-पेस में देखा गया था, ताकि वाहन की चौड़ाई के साथ तालमेल बैठाया जा सके। नया बंपर डिजाइन और नया टेलगेट भी इसे देखने में बेहतर बनाता है और इसे ज्यादा आत्मविश्वास से भरा हुआ रूप प्रदान करता है।

आर-डायनेमिक स्पेसिफिकेशन में, नया एफ-पेस ज्यादा प्रदर्शन-केंद्रित लुक के लिए अलग-अलग डिज़ाइनों की एक श्रृंखला पेश करता है।

ट्विटर अब बैन को लेकर करना चाहता है बात : नाइजीरिया

अबुजा (एजेंसी)।

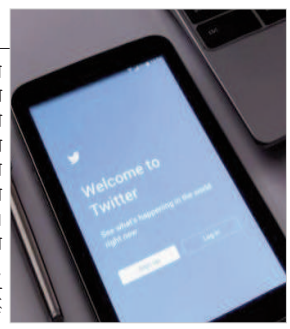

नाइजीरियाई सरकार ने कहा कि ट्विटर पश्चिम अफ्रीकी देश में अपनी गतिविधियों को निलंबित करने संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए अब बातचीत करना चाहता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नाइजीरियाई सूचना और संस्कृति मंत्री लाई मोहम्मद ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्हें ट्विटर से एक संदेश मिला, जिसमें नाइजीरियाई सरकार के साथ बातचीत की इच्छा जताई गई है। मोहम्मद ने कहा, वे (ट्विटर) अब हमारे साथ वरिष्ठ स्तर की चर्चा करने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण नाइजीरिया की संप्रभुता है। उन्होंने कहा कि नए विकास के चलते नाइजीरियाई सरकार ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के आधिकारिक पंजीकरण पर जोर दे रही है। मोहम्मद कहते हैं, अहम बात यह है कि नाइजीरिया में ट्विटर का लाइसेंस मिलना जरूरी है। साथ ही ट्विटर का अपने मंच का उपयोग उन गतिविधियों के लिए बंद कर देना चाहिए, जो नाइजीरिया के विकास या उसके कॉर्पोरेट अस्तित्व के लिए प्रतिकूल हैं। ट्विटर की गतिविधियों को निलंबित करने के अलावा नाइजीरिया के प्रसारण नियामक राष्ट्रीय प्रसारण आयोग ने सभी स्थानीय आउटलेट्स को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग को निलंबित करने का आदेश दिया है। दरअसल, कुछ दिन पहले ही नाइजीरिया के राष्ट्रपति मोहम्मदू बुखारी ने एक ट्वीट में गृहयुद्ध का जिक्र करते हुए अपने विरोधियों पर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था कि जो आज बुरा बर्ताव कर रहे हैं, उन्हें उसी की भाषा में समझाया जाएगा, जो वो समझते हैं। ट्विटर ने 1 जून को इस ट्वीट को यह कहते हुए हटा दिया कि यह उनके गाइडलाइन का उल्लंघन कर रहा है, जिसके बाद से ही सरकार और ट्विटर के बीच तनाव शुरू हो गया है।

टोक्यो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं नागर

नई दिल्ली। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्ण नागर टोक्यो 2020 पैरालंपिक के लिये क्वालीफाई करने के बाद से ही बेहद उत्साहित हैं और अब उनका लक्ष्य 24 अगस्त से पांच सितंबर के बीच होने वाले खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। नागर (एसएच 6) के दो भारतीय पैरा खिलाड़ियों प्रमोद भगत (एसएल 3) और तरुण ढिल्लों (एसएल 4) को टोक्यो 2020 पैरा खेलों में भाग लेने के लिये विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से आधिकारिक आमंत्रण मिला है। एसएल 3 निचले अंगों की सामान्य दुर्बलता तो एसएल 4 निचले अंगों की गंभीर दुर्बलता को दर्शाता है। एसएच 6 छोटे कद के संदर्भ में उपयोग किया जाता है। नागर ने कहा, 'यह मेरे लिये गौरवशाली क्षण है कि मैं उस समय पैरालंपिक खेलों का हिस्सा बन रहा हूं जबकि पैरा बैडमिंटन इसमें शामिल किया गया है। मैं स्वर्ण पदक जीतकर इसे यादगार बनाने की कोशिश करूंगा। मेरा एकमात्र लक्ष्य पहला स्थान हासिल करना है।' इन तीनों खिलाड़ियों ने बीडब्ल्यूएफ की अपनी वर्तमान विश्व रैंकिंग के आधार पर टोक्यो ओलंपिक के लिए जगह बनायी है। नागर ने कहा, 'कोविड-19 महामारी विश्व में चिंता और संकट बढ़ा रही है ऐसे में मुझे उम्मीद है कि टोक्यो 2020 में पदक से हमारे देशवासियों को कुछ खुशी मिलेगी।

तवेसा, दीक्षा और शुभंकर स्कैंडिनेवियाई मिक्स्ड मास्टर्स में भिड़ेंगे

(एजेंसी)।

महिलाओं में तवेसा मलिक और दीक्षा डागर और पुरुष वर्ग में शुभंकर शर्मा सहित स्टार-स्टडेड भारतीय लाइन-अप गुरुवार से यहां शुरू होने वाले इस सप्ताह के अनूठे स्कैंडिनेवियाई मिक्स्ड मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में शामिल होंगे। दस लाख यूरो का यह आयोजन यहां के वल्दा गोल्फ क्लब में खेला जाएगा। इस सप्ताह अद्वितीय और रोमांचक प्रारूप में 156 खिलाड़ी - यूरोपीय टूर और लेडीज यूरोपियन टूर से प्रत्येक में 78 खिलाड़ी - एक पुरस्कार राशि और एक ट्रॉफी के लिए एक ही कोर्स पर एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। तवेसा ने पिछले हफ्ते फ्रांस में जबरा लेडीज ओपन में टी-6 को समाप्त किया था, वह भी एक हफ्ते पहले लेडीज इटालियन ओपन में टी-10 थी। जबरा लेडीज के फाइनल में 2019 में भारत में हीरो इंडियन विमेंस ओपन में उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ बराबरी हुई। तवेसा ने कहा, मेरे पास दोनों सप्ताहों में मौके थे, लेकिन मैं हर हफ्ते सीख रहा हूं और प्रत्येक घटना के साथ सकारात्मकता ले रहा हूं। LET पर एक बार की विजेता, दीक्षा लेडीज़ इटैलियन ओपन में 2021 सीज़न के अपने पहले इवेंट में T-43 थी। इसके बाद उन्होंने लेडीज यूरोपियन एक्सेस टूर पर चेक लेडीज की भूमिका निभाई और पिछले हफ्ते टी-9 थी और इससे उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है। दीक्षा 2019 में जॉर्डन मिक्स्ड मास्टर्स में भी खेली थीं। दो बार के यूरोपीय टूर विजेता, शुभंकर, डेनमार्क के मेड इन हिमरलैंड में टी -8 को पूरा करने के साथ ही अपने आप में आ रहे थे, जहां एक समय में वह और भी बेहतर फिनिश के लिए तैयार दिखे। हालांकि, पिछले हफ्ते वह जर्मनी में यूरोपियन ओपन में कट से चूक गए थे। इस सप्ताह के अनूठे कार्यक्रम की मेजबानी स्वीडन की दिग्गज जोड़ी हेनरिक स्टेंसन और अन्निका सोरेनस्टम द्वारा की जा रही है। दोनों प्रतिस्पर्धा भी कर रहे हैं। रॉयल ट्रॉन में 2016 ओपन चैंपियनशिप में अपनी जीत के बाद स्टेंसन पहले पुरुष स्वीडिश और पहले पुरुष नॉर्डिक प्रमुख चैंपियन थे। उन्होंने राइडर कप में पांच बार यूरोप का प्रतिनिधित्व किया है, तीन मौकों पर जीत हासिल की है। महिलाओं के गोल्फ में अब तक के सबसे महान खेलों में से एक, सोरेनस्टम ने एलईटी पर 10 मेजर और 17 जीत सहित 72 एलपीजीए जीत हासिल की हैं। 1995 के एलईटी ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता ने आठ सोलहिम कप में भी खेला, दो मौकों पर जीत हासिल की। पहले दो राउंड में दो पुरुष और एक महिला या दो महिलाएं और एक पुरुष एक साथ खेलेंगे। दूसरे दौर के बाद, शीर्ष 65 खिलाड़ी और संबंध लिंग की परवाह किए बिना सप्ताहांत बनाएंगे।

एंडरसन सबसे अधिक टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के क्रिकेटर बने,कुक का रेकॉर्ड टूटा

बर्मिंघम।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे मुकाबले में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। एंडरसन अब सबसे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले इंग्लैंड के क्रिकेटर बन गये हैं। एंडरसन के अब 162 टेस्ट मैच हो गये हैं। इसी के साथ ही उन्होंने पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के 161 टेस्ट खेलने के रिकार्ड को तोड़ दिया। कुक ने साल 2006 से साल 2018 के बीच 161 अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया था। यह दोनों ही खिलाड़ी अपने देश के लिए सर्वाधिक टेस्ट रन और सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले क्रिकेटर भी हैं। एंडरसन ने 18 साल पहले 2003 में लॉर्ड्स में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच से अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। अब एंडरसन सर्वाधिक टेस्ट मैच खेलने वाले क्रिकेटरों की सूची में शिवनारायण चंद्रपाल (164), राहुल द्रविड़ (164) और जॉक कैलिस (166) को भी पछाड़ सकते हैं। इस तेज गेंदबाज के नाम टेस्ट में 616 विकेट हैं और वह मुथैया मुरलीधरन (800 विकेट), शेन वार्न (708) और अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे गेंदबाज भी हैं।

इंडियन ग्रां प्री का आयोजन 21 जून से होगा

नई दिल्ली।

इंडियन ग्रां प्री का आयोजन पटियाला में 21 जून से होगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इसकी जानकारी दी। एएफआई 25 जून से इसी जगह राष्ट्रीय इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन करेगा। एएफआई ने बयान जारी कर कहा, इंडियन ग्रां प्री कराने का फैसला इसलिए लिया गया ताकि भारतीय एथलीटों को अतिरिक्त प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिल सके क्योंकि 40 सदस्यीय टीम किर्गिजस्तान में होने वाले कोलपाकोवा इंटरनेशनल में भाग नहीं ले सकेंगे। भारतीयों के लिए क्वारंटीन नियमों में बदलाव एशियन एथलेटिक्स सर्किट रद्द करने का अहम कारण रहा। एएफआई ने कहा, कजाखस्तान एथलेटिक्स महासंघ और किर्गिजस्तान एथलेटिक्स महासंघ ने एएफआई को ई-मेल भेज बताया कि भारत से आने वाले लोगों के लिए 14 दिनों तक क्वारंटीन में रहना जरूरी है। बिशकेक में होने वाली प्रतियोगिता 12 से 13 जून को होगी जबकि अल्माती मीट 19 से 20 जून तक आयोजित होगी।

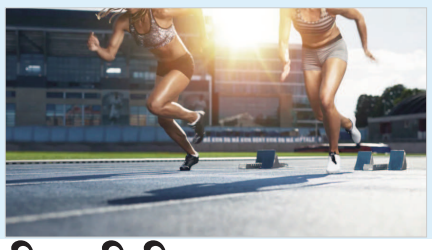

फ्रेंच ओपन : सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे जोकोविच और नडाल

पेरिस ।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चार सेट में जीत दर्ज करके फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी जहां उनका सामना 13 बार के चैंपियन राफेल नडाल से होगा। कोविड कर्फ्यू के कारण इस रोमांचक मैच को देखने के लिये स्टेडियम में कोई दर्शक नहीं था। जोकोविच ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इस मैच में नौवीं वरीयता प्राप्त मैटियो बेरेटिनी को 6-3 6-2 6-7 (5) 7-5 से हराया। जोकोविच ने कहा कि यह बेहद मुश्किल मैच था। मैं पूरे समय तनाव महसूस कर रहा था। अब उन्हें अपने चिर प्रतिद्वंद्वी नडाल का सामना करना है जिनका क्लेकोर्ट के इस टूर्नामेंट 105-2 का रिकार्ड है। नडाल ने क्वार्टर फाइनल में दसवीं वरीयता प्राप्त डिएगो श्वार्टजमैन को 6-3 4-6 6-4, 6-0 से पराजित किया। जोकोविच के खिलाफ मुकाबले के बारे में नडाल ने कहा कि हम दोनों एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। हर कोई जानता है कि इस तरह के मैचों में कुछ भी हो सकता है। नडाल फ्रेंच ओपन में 14वीं बार जबकि जोकोविच 11वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में जोकोविच 40वीं और नडाल 35वीं बार अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। नडाल और रोजर फेडरर ने 20 जबकि जोकोविच ने

18 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। ये दोनों खिलाड़ी 58वीं बार एक दूसरे का सामना करेंगे। जोकोविच अभी 29-28 से बढ़त पर हैं लेकिन ग्रैंडस्लैम में नडाल 10-6 जबकि फ्रेंच ओपन में 7-1 से बढ़त पर हैं। पुरुष वर्ग में अन्य सेमीफाइनल पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सिटसिपास और छठे वरीय अलेक्सांद्र जेवरेव के बीच होगा। महिलाओं के वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चारों खिलाड़ी पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंची हैं। आखिरी बार 1978 में आस्ट्रेलियाई ओपन में ऐसा हुआ था। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में मारिया सकारी का बारबोरा क्रेजसीकोवा से जबकि अनस्तेसिया पावलिचेनकोवा का तमारा जिदानसेक से मुकाबला होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुकाबला आसान नहीं होगा : हीथर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने भारतीय महिला टीम की सराहना करते हुए कहा है कि इस टीम को हराना आसान नहीं हैं। हीथर ने कहा कि भारतीय टीम खेल हर क्षेत्र में अच्छी है और ऐसे में हमें जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। साथ ही कहा कि दोनो टीमें के बीच रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। भारतीय महिला टीम इस दौरे में मेजबान टीम इंग्लैंड साथ एकमात्र टेस्ट मैच 16 से 19 जून तक खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच वनडे और टी-20 सीरीज खेली जाएगी। नाइट ने कहा, 'हम ऐसी सीरीज खेलना चाहते थे क्योंकि लंबे समय से हमारे दर्शकों ने मैच नहीं देखे। भारत बेहद ताकतवर टीम है और स्वाभाविक है कि इससे दर्शकों को कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।' नाइट ने कहा, 'भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ शुरुआत करना, एक ऐसी टीम जो पिछले कुछ सालों में काफी सफल रही है और उसका सामना करना हमारे लिए वास्तव में बड़ी परीक्षा होगी।' महिला क्रिकेटरों को टेस्ट क्रिकेट खेलने का कम ही अवसर मिलता है। दोनों टीमों के लिए यह काफी हद तक नया फॉर्मेट जैसा है विशेषकर भारत के लिए जिसने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2014 में खेला था। नाइट ने कहा, 'यह बहु प्रारूप अंक प्रणाली का पहला मैच होगा। हम इसे जीतने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। जब आप बहुत कम टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं तो कभी कभी यह मुश्किल हो जाता है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि इन हालातों में क्या करना है।' भारतीय टीम के खिलाफ उतरने के साथ ही नाइट की टीम महत्वपूर्ण सत्र की शुरुआत करेगी जिसमें उसे एशेज श्रृंखला के अलावा न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरना है।

टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत, हाल ही में रिलीज़ हुए सॉन्ग 'बेदर्दी से प्यार का' के लिए गुरमीत चौधरी ने बनवाया अनोखा टैटू

गुरमीत चौधरी लम्बे समय से उनके नेक कार्यों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म, 'द वाइफ' से लेकर उनके सराहनीय राहत कार्य, जिसमें कोविड पीड़ितों के लिए गुरमीत चौधरी फाउंडेशन लॉन्च भी सम्मिलित, और अब उनके नए सॉन्ग, च्वेदर्दी से प्यार का' के माध्यम से गुरमीत ने निश्चित रूप से इंडस्ट्री में लहरें पैदा कर दी हैं। टैलेंटेड एक्टर ने हाल ही में टी-सीरीज़ के साथ मिलकर एक सॉन्ग रिलीज़ किया है, जिसका टाइटल है: 'बेदर्दी से प्यार का'। सॉन्ग में गुरमीत को एक कूल टैटू को स्पोर्ट करते हुए देखा गया। गुरमीत ने इस कमाल के टैटू और बेमिसाल लुक्स के माध्यम से अपने फैंस को आश्चर्य में डाल दिया। हालाँकि, यह सुनने में आया है कि गुरमीत ने इस बात पर बखूबी रिसर्च की थी, कि सॉन्ग में अपने कैरेक्टर को और अधिक वास्तविक कैसे बनाया जाए और इस तरह उन्होंने म्यूजिक नोट्स का टेम्पररी टैटू स्पोर्ट कराया।

इतना ही नहीं, यह भी कहा जा रहा है कि गुरमीत इस म्यूजिक वीडियो के लिए सिर्फ टैटू ही नहीं बनवाना चाहते थे, बल्कि बेहतर लुक्स को लेकर उन्होंने अपने लम्बे समय के मेकअप आर्टिस्ट, अरविंद ठाकुर के साथ विस्तार से चर्चा की, जिन्होंने इस टैटू को बनाया है। उन्होंने इस पर भी चर्चा की कि कौन-सी डिजाइन, सॉन्ग के आधार पर सबसे ज्यादा उपयुक्त है। फाइनल लुक को लॉक करने से पहले उन्होंने विभिन्न विकल्पों के साथ कुछ मॉक शूट्स भी किए।

इसके बारे में बात करते हुए गुरमीत कहते हैं, "यह मेरे लंबे समय के मेकअप आर्टिस्ट, अरविंद ठाकुर और मेरा संयुक्त प्रयास था। हम शूटिंग शुरू होने से पहले घंटों बैठकर अलग-अलग लुक्स पर चर्चा करते थे। वे आर्ट के मास्टर हैं और उन्होंने इसके लिए शानदार काम किया है। हर दिन एक ही डिजाइन को तैयार करना काफी मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इसे बरकरार रखा और इस कारण इसकी निरंतरता बखूबी बनी रही। मुझे बहुत खुशी है कि इसका परिणाम अद्भुत रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।"

'देसी मुंडा' के फैंस ने इस प्रयास को काफी पसंद किया है और अपने फेवरेट एक्टर के सॉन्ग की रील्स बनाकर इसके लिए अपने प्यार को व्यक्त किया है, और साथ ही इन रील्स में गुरमीत का टैटू भी नजर आ रहा है। खैर, इससे हम निश्चित रूप से यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि गुरमीत चौधरी के भीतर एक परफेक्शनिस्ट छिपा है और यह निश्चित रूप से उनके द्वारा किए गए सभी ऑन स्क्रीन कामों में दिखाई देता है। गुरमीत चौधरी का सॉन्ग 'बेदर्दी से प्यार का' अब टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ किया जा चुका है, जिसकी लिंक यहाँ दी गई है: http://bit.ly/Bedar-diSePyaarKa

विलियमसन के बाद वाटलिंग भी हुए बाहर

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के पहले खिलाड़ियों के चोटिल होने से न्यूजीलैंड की परेशानी बढ़ी

लंदन।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन के बाद अब विकेटकीपर-बल्लेबाज बीजे वाटलिंग भी घायल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के पहले इन दोनो अहम खिलाड़ियों का घायल होना कीवी टीम के लिए एक बड़ा झटका है। वाटलिंग की जगह अब टॉम ब्लेंडल इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वाटलिंग और विलियमसन के अलावा मिशेल सैंटनर भी फिट नहीं हैं और वह भी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। विलियमसन की जगह बल्लेबाज टॉम लाथम 10 जून से शुरू हो रहे टेस्ट में विलियमसन की जगह कप्तानी संभालेंगे। अंतिम ग्यारह में विलियमसन की जगह विल यंग को जगह दी गयी है। कोच गैरी स्टीड ने कहा कि कुछ समय से विलियमसन चोट से परेशान थे , इसलिए उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए आराम दिया गया है ताकि वह पूरी तरह से ठीक हो सकें। उन्होंने कहा, 'विलियमसन के लिए यह आसान फैसला नहीं था लेकिन यही सही फैसला है.' उन्होंने कहा, 'यह फैसला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को ध्यान में रखकर लिया गया है. हमें यकीन है कि वह 18 जून से होने वाले मैच तक फिट हो जाएगा।' वहीं लाथम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कहा, 'मुझे भरोसा है कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलेंगे। हमने एहतियातन उन्हें आराम दिया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप से पहले उसका पूरा फिट होना जरूरी है।'

महिला टीम के लिए राष्ट्रीय शिविर लगाने का प्रयास जारी : एआईएफएफ

कोलकाता। आगामी फीफा अंडर 17 विश्व कप और एएफसी एशियाई कप को देखते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि महिला टीम के राष्ट्रीय शिविरों को लेकर वह झारखंड सरकार के संपर्क में है। फीफा रैंकिंग में 57वें स्थान पर बरकरार भारतीय सीनियर महिला टीम इस साल की शुरूआत में तुर्की और उजबेकिस्तान में सफल रही है। इन दौरों में उसने पांच दोस्ताना अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। इसके बाद कोरोना महामारी का संक्रमण फिर शुरु होने के कारण अभ्यास रुक गया था। एआईएफएफ के उप महासचिव अभिषेक यादव ने कहा ,'' हम झारखंड सरकार से बातचीत कर रहे हैं जिससे महिला टीम के लिए शिविर लगाया जा सके। खेल मंत्रालय से इजाजत मिलते ही हम यह शिविर शुरू करेंगे।''

घर का खर्च चलाने के लिए खेतों में काम कर रही अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की कराटे खिलाड़ी हरदीप कौर अपने अस्तित्व के लिए धान के खेतों में काम कर रही हैं। उनकी आमदनी महज 300 रुपए प्रति दिन है।

जीत चुकी है 20 से अधिक मेडल

पंजाब के मनसा जिले के गुरनेकलां गांव की रहने वाली 23 वर्षीय हरदीप ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में 20 से अधिक पदक जीते हैं। एक मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान कहा कि उसने कभी कल्पना नहीं की थी कि उसे एक दिन खेत मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाएगा। हरदीप ने कहा, हम एक गरीब दलित परिवार से ताल्लुक रखते हैं। हमारे पास जमीन नहीं है और मजदूरों के रूप में काम करना पड़ता है। मैं धान के खेतों में काम करके 300 रुपए से 350 रुपए के बीच कमाती हूं। मुझे अपने परिवार की सहायता के लिए खेतों में काम करना पड़ता है। हरदीप कौर के पिता नायब सिंह (55) और मां सुखविंदर कौर (45) भी धान के खेत में काम करते हैं। हरदीप कौर फिलहाल पटियाला से फिजिकल एजुकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कर रही हैं। उन्होंने कहा,मैं पटियाला में डीपीईडी की पढ़ाई कर रही हूं और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने और माता-पिता की सहायता के लिए घरेलू काम करती हूं और अब धान के खेतों में श्रम का काम करती हूं। हरदीप ने उन दिनों को याद किया जब 2018 में मलेशिया में स्वर्ण पदक जीता था और उन्हें सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा, पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सोढ़ी ने उनसे मुलाकात की और सरकारी नौकरी की घोषणा की। तीन साल बीत चुके हैं और वादा अधूरा है। नवोदित एथलीट नौकरी के सिलसिले में 4 बार चंडीगढ़ भी जा चुकी हैं लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हरदीप कौर ने कहा, उन्होंने मुझे चंडीगढ़ में अपने कार्यालय में बुलाया और मुझे सरकारी नौकरी देने का वादा किया। मुझे एक आवेदन जमा करने के लिए भी कहा गया था, लेकिन उसके बाद मुझे किसी भी सरकारी कार्यालय द्वारा कभी नहीं बुलाया गया।

नस्लवाद विरोधी आंदोलन को नई दिशा देने की जरूरत : होल्डर

जमैका। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिनसन के निलंबन के बाद एक बार फिर नस्लभेद और रंगभेद का मामला क्रिकेट में गरमा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान जैसन होल्डर के अनुसार क्रिकेट में नस्लवाद विरोधी आंदोलन को केवल मैचों से पहले घुटने के बल पर बैठकर सांकेतिक विरोध तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे एक दिशा दी जानी चाहिये जिसे समस्या का समाधान हो सके। इस स्टार ऑलराउंडर ने अपनी टीम से कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले नस्लवाद विरोधी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करने होंगे। गौरतलब है कि अमरीका में पिछले साल अफ्रीकी मूल के जार्ज फ्लायड की एक श्वेत पुलिस अधिकारी के हाथों मौत के बाद 'ब्लैक लाइव्स मैटर' (अश्वेतों का जीवन भी मायने रखता है) आंदोलन शुरू हुआ था। वहीं वेस्टइंडीज उन पहली दो अंतरराष्ट्रीय टीमों में शामिल था जिसके खिलाड़ियों ने एक घुटने के बल पर बैठकर इसका समर्थन किया था। इसपर होल्डर ने कहा, 'मैंने इसको लेकर कुछ चर्चा की थी और मुझे लगता है कि मैचों से पहले किया जाने वाला यह सांकेतिक विरोध अप्रभावी रहा है। मैं इस आंदोलन में नई जान डालने के लिए कुछ नई पहल देखना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि लोग केवल यह सोचें कि वे 'ब्लैक लाइव्स मैटर' के लिए घुटने टेक रहे हैं क्योंकि यही परंपरा है, यही चलन है। इसका कुछ तो मतलब निकलना चाहिए।'

कोरोना महामारी की वजह से एएमसी को भारी नुकसान

अहमदाबाद।

अहमदाबाद महानगर में गुजरात की सबसे बड़ी महानगरपालिका है। अहमदाबाद महानगरपालिका का वार्षिक बजट हजारों करोड़ों रुपये का है। अहमदाबाद शहर में चारों तरफ विकास हो रहा है। लेकिन कोरोना महामारी की वजह से अहमदाबाद के विकास पर ब्रेक लगा है और अहमदाबाद महानगरपालिका की तिजोरी खाली हो गई है। २०२०/२१ में हुई कोरोना महामारी की वजह से एएमसी को भारी नुकसान हुआ है। एक अनुमान के अनुसार ७०० करोड़ जितनी रकम कोरोना के पीछे एएमसी ने खर्च की है। एएमसी को फिलहाल कोई नई आय नहीं हुई है ऐसे में कोरोना महामारी ने एएमसी की आर्थिक स्थिति को कंगाल कर दिया है। ऐसे में एएमसी द्वारा अपनी मालिकी की रिजर्व रहे प्लॉट अब बिक्री के लिए निकाला है। जो एएमसी तिजोरी को राहत दी है। एएमसी स्टैन्डिंग कमेटी चेयरमैन हितेशभाई बारोट ने बताया कि एएमसी द्वारा अपनी मालिकाना रिजर्व पहले १६ प्लॉट बिक्री के लिए एएमसी द्वारा निकाला गया है। १६ में से बोडकदेव स्थित दो प्लॉट ऑनलाइन निलामी की गई थी। जि सके तहत २२५ करोड़ के रकम की आय एएमसी को हुई है। अभी भी १४ प्लॉट ऑनलाइन निलामी करने के लिए एक महीने के लिए बढ़ाया गया है। एएमसी का अनुमान है कि १६ प्लॉट की बिक्री हो तो एएमसी को १ हजार करोड़ की आय हो सकती है। आगे चेयरमैन हितेशभाई बारोट ने बताया कि एएमसी प्लॉट बेची जो आय होगी वह अहमदाबाद शहर के विकास के लिए उपयोग किया जाएगा। एक तरफ कोरोना महामारी चल रही है। जिसमें एएमसी आर्थिक नुकसान निश्चित हुआ है। यह प्लॉट बिक्री होने पर एएमसी की आर्थिक स्थिति काफी सुधरेगी। अहमदाबाद शहर के विकास काम तेजी से होगा।

उल्लेखनीय है कि, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान एएमसी बजट गत वर्ष में बजट से डेढ़ हजार करोड़ कम अनुमान लगाया गया और बजट में कोई नई बड़ी घोषणा भी नहीं की गई थी।

समाधान के लिए गये भाईयों के खिलाफ कर्फ्यू भंग का केस

अहमदाबाद।

राज्य में फिलहाल धीरे-धीरे कोरोना घट रहे है जिसे ध्यान में रखकर राज्य में लागू किया गया मीनी लॉकडाउन में धीरे-धीरे छूट दी जा रही है। हालांकि अभी भी नाइट कर्फ्यू लागू है ऐसे में अहमदाबाद में रहते दो भाईयों को इसकी बहन को आयी समस्या हल करने के लिए जाना महंगा पड़ गया। शहर के सरदारनगर में रहते दो भाई वस्त्रापुर में रहती बहन के घर पर कोई झगड़ा होने से इसका समाधान करने के लिए गये थे। हालांकि वहां से रिटर्न होने में उनको कुछ लेट हो गया। ऐसे में रास्ते में पुलिस कर्फ्यू समय में घूमते दोनों भाईयों को रोका था और बाहर निकलने का कारण पूछा हालांकि भाईयों ने बहन के घर पर झगड़े का कहने पर पुलिस ने कहा कि यह कोई उचित कारण नहीं है। यह कहकर उनके सामने कर्फ्यू भंग के लिए अपराध दर्ज किया गया।

वस्त्रापुर पुलिस में दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार पुलिस वस्त्रापुर में स्थित संजीवनी अस्पताल के निकट रास्ते पर टी-जंकशन में तैनात था। तब उसने वहां से एक एसयुवी को जाने पर देखा। एफआईआर में बताये अनुसार पुलिस जवानों ने वाहन रोककर ड्राइवर और इसके बगल में बैठे शख्स की पूछताछ की। उन्होंने अपने सरदारनगर में रहते भरत आहुजा (४५) और रणजीत आहुजा (३१) के तौर पर पेश किया गया। उन्होंने पुलिस को कहा कि वह अपनी बहन के घरेलु झगड़ा का निराकरण करने गये थे, जिसमें समय लगा और वह लेट हुए। एफआईआर के अनुसार पुलिस ने कहा कि कर्फ्यू के दौरान बाहर निकलने के लिए यह कोई मान्य कारण नहीं था, इसी वजह से उनके विरूद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत एपिडेमिक एक्ट के तहत और डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत के आरोपों के साथ कर्फ्यू की सूचना के भंग के लिए अपराध दर्ज किया गया।

डॉ मनमोहन सिंह के नाम पर नौकरी दिलाने के बहाने ठगी

अहमदाबाद।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के नाम पर नौकरी दिलाने के बहाने ठगी का मामला सामने आया है। इस फर्जी नेटवर्क के जाल में गुजरात के हजारों युवक फंसकर लाखों रुपए गंवा चुके हैं। भारतीय जन स्वास्थ्य ग्रामीण कल्याण संस्थान के नाम से इंटरनेट मीडिया में मैसेज वायरल कर बेरोजगार युवकों को ढकने वाले एक गिरोह का पता चला है। इंटरनेट मीडिया में भर्ती की पोस्ट वायरल करके बेरोज गार युवकों को स्वास्थ्य विभाग में मेडिकल ऑफिसर कंप्यूटर ऑपरेटर ड्राइवर आदि पदों पर नौकरी का झांसा देकर ढाई से तीन हजार रुपए पंजीकरण शुल्क के नाम पर ऑनलाइन ठग लेते हैं।

मैसेज के साथ दी गई लिंक पर जाने पर वहां भारतीय जन स्वास्थ्य ग्रामीण कल्याण संस्थान का पेज खुलता है जिसमें २००५ में किसी योजना का उद्घाटन डॉ मनमोहन सिंह के द्वारा किया गया बताया गया जबकि डॉ मनमोहन सिंह अथवा किसी भी केंद्र सरकार ने इस तरह की योजना की कभी शुरुआत ही नहीं की। वेबसाइट भी सरकारी ग्रुप जीओवी के बजाय ओआरजी के डोमेन के साथ घूमती है।

गुजरात पुलिस ने इस पोस्ट की जांच की तो इसका डोमेन व रजिस्ट्रेशन १२ दिन पहले का ही बताता है। इसका आईपी लोकेशन हरियाणा का फरीदाबाद क्या बताता है इसमें दिए गए ईमेल आईडी भी निजी है तथा उनका सरकार से कोई लेना देना नहीं है। गुजरात के करीब २७००० बेरोजगार इस जाल में फंस चुके हैं और लाखों रुपए पंजीकरण शुल्क तथा यूनिफॉर्म आदि के नाम पर ठगे जा चुके हैं। पुलिस ने आशंका यह भी जताई है कि इसके ज रिए बड़ी संख्या में गुजरात के लोगों के आधार व पान कार्ड नंबर के डेटा भी चुरा लिए गए।

गुजरात सरकार में भर्ती के नाम पर २६० युवकों से ठगी। गांधीनगर पुलिस ने गुजरात सरकार की गौण सेवा पसंदगी मंडल संस्था के नाम से युवकों को डिप्टी कलेक्टर क्लर्क ग्राम सेवक तथा तहसीलदार के पदों पर भर्ती कराने का झांसा देकर ४० से ५० हजार रुपए एक एक बेरोजगार से ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गांधीनगर की स्लीप इन होटल के कमरों पर छापा मारकर वलसाड की उप जिलाधीश बनकर बैठी हेतवी पटेल तथा उसके ४ साथी संजय पटेल प्रणव पटेल कुणाल मेहता तथा नीरज गरासिया को धर दबोचा। पुलिस ने इनके पास से राज्य सरकार के फर्जी लेटर हेड तथा कई विभागों की मुहरें बरामद की है।

कोविड वैक्सीन लेने वालों को ५ मार्क मिलेंगे ज्यादा!

टीकाकरण एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है जिसकी वजह से विश्वविद्यालय इस फैसले पर मंजूरी की मुहर लगा सकती है

राजकोट।

कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतने के लिए देशभर में टीकाकरण अभियान को गति देने का फैसला किया गया। ऐसे में सौराष्ट्र से एक अनोखी खबर सामने आई है। जिसमें सौराष्ट्र विश्वविद्यालय उन छात्रों को इंटरनल में अतिरिक्त ५ अंक देने पर विचार कर रही है जिन्होंने कोरोना की वैक्सीन ले ली है। इस संबंध में आधिकारिक फैसला आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय की सिंडिकेट बैठक में लिया जा सकता है। टीकाकरण अभियान एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है जिसकी वजह से विश्वविद्यालय इस तरीके के फैसले पर मंजूरी की मुहर लगा सकती है।

छात्रों को आमतौर पर विश्वविद्यालय द्वारा उनकी उपस्थिति, उनके व्यवहार, एनसीसी या एनएसएस जैसी गतिविधियों में उनकी भागीदारी के लिए आंतरिक अंक दिए जाते हैं। हालांकि पिछले २ साल से ऑनलाइन स्टडी चल रही है। इसलिए छात्रों को आंतरिक अंक किस प्रकार दिए जा सकते हैं?

इस पर विचार किया जा रहा है। सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा टीकाकरण के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत यूनिवर्सिटी से जुड़े डेढ़ लाख से ज्यादा छात्रों को मैदान में उतारा गया है। १८ वर्ष से अधिक आयु के सभी छात्रों से टीका लेने की अपील की जा रही है। साथ ही उन्हें अपने परिवार और पड़ोसियों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

किशोर प्रेमिका के साथ प्रेमी की पुल से कूदकर आत्महत्या

सूरत के महुवा की घटना

प्रेमी प्रेमिका ने सोशल मीडिया पर सुसाइड नोट अपलोड करने के बाद अंतिम कदम उठाने पर भारी सनसनी

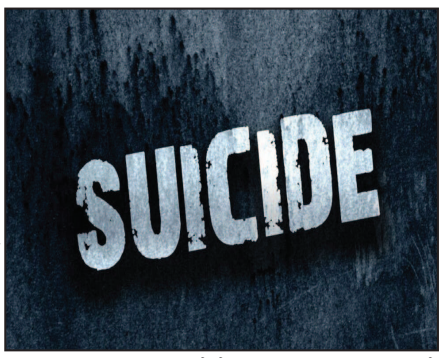

सूरत।

कोरोना काल में आत्महत्या के मामले बढ़ रहे है। अब धैर्य गंवा चुके प्रेमी-प्रेमिका मौत का रास्ता अपना रहे है तब सूरत के पास महुवा तहसील में अंबिका नदी के पुल पर से और एक प्रेमी प्रेमिका ने कूदकर आत्महत्या की है। दोनों ने सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर रखकर आत्महत्या की है। हालांकि, इस मामले में मृतक प्रेमिका किशोर उम्र की होने की जानकारी मिली है। वेलणपुर गांव के इलाके से गुज रती अंबिका नदी के पुल पर से एक प्रेमी ने अपनी किशोर प्रेमिका के साथ नीचे कूद गये।

दोनों की मौत हुई थी। घटनास्थल पर से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिली थी। जिसमें लिखा है कि, हम अपनी इच्छा से सुसाइड करते है और मेरी मां को हम से बहुत प्रॉब्लम है। स्पेशियली मेरे से ऑलरेडी इसने तो मुझे यह कह दिया कि मर जा यानी कि हम सुसाइड करते है। हालांकि, प्रेमी प्रेमिका ने यह सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर भी अपलोड कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि, मृतक प्रेमी तेजस बल्लुभाई पटेल (उम्र.१९ वर्ष) डोलवण तहसील के बेडा रायपुरा गांव का निवासी है। प्रेमिका नवसारी जिले में रहती १६ वर्ष की किशोरी है।

दोनों एक्टिवा पर पुल तक आये थे और ६० फीट ऊंचे पुल पर से नीचे कूद गये। घटनास्थल पर दोनों की निर्मम मौत हुई थी। उनके मौत की जानकारी मिलने पर परिवार पहुंच गया। तब परिवार सदमें में चला गया था।

शादी के बाद विदेश ले जाने की लालच देकर युवक ने युवती से किया दुष्कर्म

सूरत।

शहर के भेस्तान क्षेत्र की एक युवती को प्रेमजाल में फांसकर युवक ने उसे शादी के बाद विदेश ले जाने की लालच दी। युवक की बातों में आकर युवती ने उसे अपना सब कुछ सौंप दिया। युवती के गर्भवती होने पर युवक ने बहला फुसलाकर उसका गर्भपात करवा दिया। पूरी घटना तब सामने आई जब युवक के फरार हो जाने के बाद पीड़ीता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान के मारुतिनंदन सोसायटी निवासी और होटल में नौकरी करते महेश हीरा चौधरी नामक युवक ने वर्ष 2019 में 24 वर्षीय एक युवती को अपने प्रेमजाल में फांस लिया था। महेश ने युवती से कहा था कि शादी के उसके साथ वह कनाडा में स्थारी होना चाहता है। युवती महेश की बातों आ गई। महेश ने पांडेसरा की एक होटल में युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। गोवा की सन सिटी रिसोर्ट में महेश ने युवती का उपभोग किया। युवती जब गर्भवती हो गई तो महेश ने बहला फुसलाकर उसका गर्भपात करवा दिया। बाद में युवती जब कभी शादी की बात करती तो महेश टाल देता। गत 20 मई 2021 को महेश ने युवती से कहा कि बनासकांठा में उसके पिता बीमार हैं और उनसे मिलकर लौटने के बाद वह उससे शादी कर लेगा। लेकिन उसके बाद महेश के वापस नहीं लौटने पर युवती ने उसके परिजन को फोन कर महेश के बारे में पूछा। परिजनों ने बताया कि महेश रहां आरा ही नहीं है। महेश के फोन पर अंजली पटेल नामक किसी युवती का फोन आता था। पीड़ीत युवती को आशंका है कि महेश ने अंजली के साथ शादी कर ली है। शादी की लालच देकर कई बार दुष्कर्म करने के बाद उसे छोड़कर फरार महेश के खिलाफ आखिर पीड़ीता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

महिला डॉक्टर से साथी डॉक्टर को मजाक करना पड़ा भारी

महिला डॉक्टर कुर्सी पर बैठने गई तभी उसके सहयोगी ने कुर्सी को खींच लिया जिससे नीचे गिरने सें फ्रैक्चर हुआ था

अहमदाबाद।

इसनपुर में रहने वाली और चिकित्सा अधिकारी के रूप में काम करने वाली एक महिला डॉक्टर जब कुर्सी पर बैठने के लिए जा रही थी तभी उसके सहयोगी ने कुर्सी को खींच लिया जिससे वह नीचे गए गई। अचानक नीचे गिरने से महिला डॉक्टर की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। सहकर्मी ने पहले तो इलाज का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली लेकिन जब वह अपनी बात से पलट गया तब यह मामला पुलिस स्टेशन पहुंच गया।

इसनपुर इलाके में रहने वाली महिला डॉक्टर तीन साल से दस्क्रोई तालुका में मौज द हेल्थ ऑफिस में चिकित्सा अधिकारी के रूप में काम करती है। पिछले साल २०२० एक दिन दोपहर में नारोल के स्वास्थ्य कार्यालय में अपने डॉक्टर दोस्तों के साथ मौजूद थीं। इसी बीच महिला जब कुर्सी पर बैठने गई तो उसके सहयोगी डॉ। भावेश लिंबाचिया ने कुर्सी खींच ली जि सकी वजह से जमीन पर गिर गई थी। जब महिला डॉक्टर ने एमआरआई कराया तब पता चला कि उसकी रीढ़ में फेक्चर हो गया है। हादसे के बाद सहकर्मी डॉक्टर भावेश ने दवा का खर्च उठाने का दावा किया था। जि सके बाद महिला का इलाज शुरू हो गया था। लेकिन सहकर्मी भावेश ने भुगतान करने से इनकार कर दिया और अपमानज नक व्यवहार किया। जिसके बाद महिला ने सहकर्मी भावेश के खिलाफ नारोल थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

रथयात्रा और स्कूल की फीस का निर्णय बाद में लिया जाएगा

गुजरात के दो महत्व के मुद्दे पर सवाल पूछने पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने सीधा और स्पष्ट जबाव नहीं दिया

गांधीनगर।

रथयात्रा आयोजित की नहीं इस मामले में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा कि, गुज रात की जनता से विनंती है कि, केस कम हुए है इसका अर्थ यह नहीं है कि कोरोना गया है। गुज रात एक ऐसा राज्य हुआ जिसने संपूर्ण लॉकडाउन नहीं किया है। रथयात्रा के लिए संबंधित समय पर निर्णय लिया जाएगा। छूट दे इसका मतलब नहीं है कि निश्चित होकर बाहर निकले। जरूरी हो तो बाहर निकलना काम बिना कहीं जाना नहीं। तीसरी वेव के लिए विशेषज्ञ भी सावधान रहने का बता रहे है। फीस के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि, शिक्षा फीस मामले में सरकार द्वारा जरूरत होगी तो निर्णय लिया जाएगा। स्कूल के संचालक द्वारा ७५ फीसदी फीस ली है, किस तरीके से उनको टैक्स में माफ किया जा सके। यदि स्कूलों ने फीस नहीं लिया हो तो उनको टैक्स माफी के लिए विचार किया जा सकेगा।

कोरोना के दौरान होटल संपूर्ण बंद थी यानी कि उनको टैक्स में छूट दी है। अभी शिक्षा सत्र की शुरूआत हुई है। यह सत्र कैसा जाएगा यह कहना मुश्किल है। स्थिति कैसी होगी यह खबर नहीं है। भविष्य में समय के अनुसार फीस मामले में निर्णय करेंगे। गांधीनगर में कार्यरत किए गए आधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर २.० के नए भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के द्वारा किया गया है। अब लोकार्पण बाद उन्होंने बताया कि, आज राज्य सरकार ने शिक्षा विभाग में आमुल परिवर्तन किया है।

टेक्नोलॉजी का अधिकतर उपयोग करके गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले इसके लिए प्रयास किया है। राज्य की ५४००० स्कूलों में सवा करोड़ विद्यार्थी पर ध्यान रखा जाएगा। आनेवाले दिनों में शिक्षा द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। प्रत्येक की मौजूदगी, परीक्षा आदि की पूरी निगरानी होगी। ऐसा भारत का पहला सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया है कि, शिक्षा विभाग में आमुल परिवर्तन टेक्नोलॉजी के माध्यम से किया है। यह सेंटर को ५४००० स्कूलों को साथ में कनेक्ट कर दिया जाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)